दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

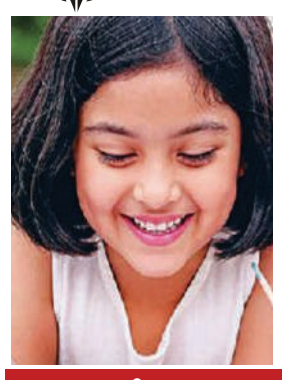

अमन लेखनी

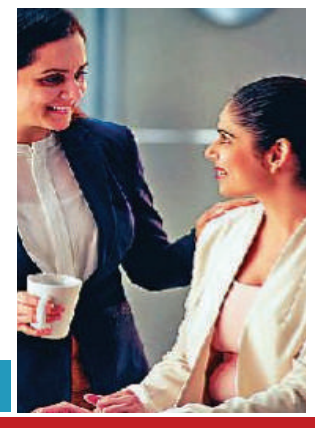

रंगो रेखाओं से खिलता है बचपन.....

तारीफ करना भी एक कला है .....

वर्ष : 12 | अंक : 112 | लखनऊ, 15 अप्रैल, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

स्टेट गेस्ट हाउस में महिलाओं से बर्बरता, सपा का असली चेहरा उजागर

दलितों के नाम पर राजनीति करने वालों को अपने काम का हिसाब देना चाहिए, बाबा साहेब की 75 मूर्तियों के सुंदरीकरण कार्य का किया वर्चुअल शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 135वीं जयंती पर विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि दलितों और वंचितों के नाम पर राजनीति करने वालों को अपने काम का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सामाजिक न्याय के महापुरुषों का सम्मान नहीं किया। समाजवादी पार्टी ने स्टेट गेस्ट हाउस में महिलाओं के साथ बर्बर व्यवहार कर अपना वास्तविक चरित्र दिखाया था। कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव से वंचित रखने का प्रयास किया, जबकि उन्हें भारत रत्न न मिले, इसके लिए षडयंत्र रचे। कांग्रेस आज भले ही संविधान की प्रति लेकर घूम रही है, लेकिन उसकी असलियत को समझने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को डॉ. आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्मारिका का विमोचन किया और 75 जनपदों में स्थापित बाबा साहेब की 75 मूर्तियों के सौंदर्यीकरण व संरक्षण कार्य का वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके पहले सीएम योगी ने हजरतगंज चौक स्थित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, दलितों के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाले गिनाएं कि बाबा साहेब के नाम पर उन्होंने क्या किया और उनके दर्शन से क्या प्रेरणा ली? सब जानते हैं कि कौन मुख्यमंत्री बनने पर दलित महापुरुषों के स्मारक तोड़ने की धमकी देता था।

कड़वा-कड़वा थू, मीठा-मीठा गप, नहीं चलेगा और समाज यह स्वीकार भी नहीं करेगा, क्योंकि समाज असलियत जानता है. जाति के नाम पर समाज को बांटने वाली ताकतें बताएं कि जब बांग्लादेश में दलित नौजवान को जलाया जा रहा था तो उनका मुंह क्यों सिला था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का जीवन एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने, दलितों, वंचितों, गरीबों को न्याय प्रदान करने के लिए समर्पित था। हर दलित-वंचित, गरीब, महिला जब न्याय की अपेक्षा रखती है और उसे जो रोशनी दिखाई देती है, वह रोशनी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने ही दिखाई थी. बाबा साहेब का जो प्रकाश फैला है, उसे हड़पने के लिए कुछ स्वार्थी ताकतें फिर से उनके नाम का स्मरण करने का नाटक कर रही हैं। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जिन लोगों को दलितों, वंचितों, गरीबों व महिलाओं से नफरत रही। जिन्होंने सामाजिक न्याय के पुरोधाओं का अपमान किया, सामाजिक न्याय के लिए पूरा जीवन समर्पित करने वाले महापुरुषों के लिए सदैव रास्ते बंद किए, आज वे झुनझुना पकड़ाकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। ऐसे लोगों से पूछा जाना चाहिए कि दलित महापुरुषों के नाम पर बने जनपदों, केजीएमयू, भाषा विश्वविद्यालय व कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम क्यों बदल गया? दलितों-वंचितों व गरीबों के हक पर किसने डकैती डाली, किसने दलितों-वंचितों को भूमि पट्टे के अधिकार से वंचित किया? किसने स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय योजना पर ब्रेक लगाया और प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू नहीं होने दिया?

बाबा साहेब के मूर्तिस्थलों पर बाउंड्रीवाल व छत्र लगाने का शुभारंभ

सीएम ने कहा ये लोग चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए। इन्होंने दलितों, वंचितों, गरीबों की पीड़ा कभी नहीं देखी. कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नाम फिर से बाबा साहेब के नाम पर हो, इसके लिए मंत्री असीम अरुण ने मेरा कार्यक्रम लगाकर वहां घोषणा करवाई। बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर यूपी सरकार ने बड़े कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। पहले चरण में सभी 75 जनपदों में एक-एक, फिर सभी उन स्थानों पर, जहां सार्वजनिक भूमि पर बाबा साहेब की प्रतिमाएं हैं, वहां बाउंड्रीवाल व मूर्ति का छत्र बनाने के कार्यों का शिलान्यास किया गया है। इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी मंत्री असीम अरुण को दी गई है। बाबा साहेब, संत रविदास, महात्मा ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि, बिजली पासी, सातन पासी समेत सामाजिक न्याय के लिए कार्य करने वाले हर महापुरुष को हम सम्मान देंगे, जिनके कारण समाज मजबूती से टिका है. यह कार्यक्रम इसलिए हो रहा है कि महापुरुषों की मूर्तियां सुरक्षित रहें, गरीब-वंचित-दलित समाज का व्यक्ति जाकर सम्मान व्यक्त कर सके और कोई उपद्रवी मूर्तियों को नुकसान न पहुंचा सके. हमारी सरकार ने गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी, बदायूं में अवंती बाई लोधी और लखनऊ में ऊदा देवी पासी के नाम पर पीएसी बटालियन का निर्माण किया। सीएम ने कहा कि संत रविदास की जन्मभूमि वाराणसी के सीरगोवर्धन में माघ पूर्णिमा पर लाखों लोग एकत्र होते हैं। वहां पर्याप्त जगह नहीं थी। सपा के लोग कार्यक्रम नहीं होने देते थे। हमारी सरकार आई तो दो लाख लोगों के कार्यक्रम के लिए पार्क का निर्माण कराया, रविदास जी की भव्य प्रतिमा, फोरलेन, अतिथि भवन भी बना दिया। जिस महापुरुष ने अनुयायियों को कंठी देकर भक्ति परंपरा को ऊंचाई दी, हमारी सरकार उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रही है। सपा के लोग महर्षि वाल्मीकि की पावनस्थली लालापुर चित्रकूट में कब्जा कर रहे थे। वहां के साधु बार-बार मेरे पास आते थे। हमने प्रशासन को गुंडों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया। आज वहां रोपवे, सड़क भी बना दी है। पीएम मोदी ने अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा, क्योंकि इन महापुरुषों ने समाज के लिए सब कुछ किया। सीएम ने कहा कि लखनऊ में हमारी सरकार ने तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविद को बुलाकर डॉ. भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक व शोध केंद्र के कार्य को बढ़ाया। इसके प्रथम चरण का काम लगभग पूरा हो चुका है, जुलाई तक द्वितीय चरण का कार्य कराने का निर्देश दिया है। यहां दलित बच्चों के लिए बाबा साहेब के दर्शन पर शोध करने का प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा। सामाजिक न्याय और जनचेतना के लिए केंद्र बनेगा, जिससे समाज महापुरुषों के बारे में जान सके।

बाबा साहेब के दर्शन व व्यक्तित्व से लेनी चाहिए प्रेरणा : सीएम ने कहा कि हर किसी को बाबा साहेब के दर्शन व कृतित्व से प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए. बाबा साहेब ने कहा था कि मैं हमेशा भारतीय रहूंगा। बाबा साहेब को भी लालच दिया गया, लेकिन वह योगेंद्र नाथ मंडल की तरह बहके नहीं। सीएम ने महासभा के पदाधिकारियों से कहा कि सांसद ब्रजलाल ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और योगेंद्र नाथ मंडल पर जो पुस्तक लिखी है, उसे पढ़िए और यहां भी रखिए. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर अपने पुरुषार्थ से वंचितों, दलितों के मसीहा बन गए, जबकि योगेंद्र नाथ मंडल का कोई नाम लेने वाला नहीं है। राष्ट्रमाता और भारत की एकता-अखंडता से खिलवाड़ स्वीकार नहीं करना चाहिए। भारत की स्वाधीनता, तिरंगा, राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत का अपमान करने वाला बाबा साहेब का अपमान करता है। हम ऐसा कुछ भी स्वीकार न करें जो बाबा साहेब के दर्शन के विपरीत हो, जो दलितों-वंचितों, गरीबों का हक छीनने के लिए उकसाता हो। कांग्रेस व सपा ने नहीं, बल्कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने बाबा साहेब से जुड़े पंच तीर्थों का विकास किया। डबल इंजन सरकार वंचितों को वरीयता, अति पिछड़ों को प्राथमिकता, दलितों को सम्मान दे रही है। हर गरीब, दलित-वंचित के लिए राशन, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना, बिजली कनेक्शन, पीएम-सीएम आवास, शौचालय की व्यवस्था भी डबल इंजन सरकार की देन है।

खबर संक्षेप

ओडिशा में मिड-डे मील 100 बीमार, 1 की मौत

मयूरभंज। ओडिशा के मयूरभंज जिले से एक दिल दहला देने वाली

खबर है। यहां एक सरकारी आदिवासी आवासीय स्कूल में दोपहर का भोजन करने के बाद 100 से अधिक बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान 5 वीं कक्षा की एक छात्रा रूपाली बेसरा ने दम तोड़ दिया। पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

पिकअप से कार की टक्कर, 4 की मौत

बाड़मेर। जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने

आया है, जहां कार और पिकअप गाड़ी के बीच हुई भीषण भिड़ंत में 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। गाड़ी का सामान सड़क पर बिखर गया।

कासगंज में आंबेडकर शोभायात्रा पर 2 पक्ष भिड़े

कासगंज। यहां के सहावर कोतवाली के गांव चहक गुनार में डॉ. भीमराव आंबेडकर शोभायात्रा निकालने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंच गई। शोभायात्रा का यादव पक्ष ने विरोध किया। दूसरे पक्ष के लोगों ने ट्रैक्टर, बुग्गी, थ्रेशर खड़े किए। मार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण किया

कार्यक्रम के पहले ही देवी माता का आशीर्वाद लिया

पहली बार देहरादून में 12 किमी लंबा रोड शो उमड़ी भारी भीड़ और लगे मोदी-मोदी के नारे

गढ़ी कैंट स्थित मैदान से जनसभा को संबोधित किया

ब्रह्मकमल टोपी, गढ़वाली कुमाऊंनी बोली ने दिल जीता

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण किया। सबसे पहले सिद्धपीठ मां काली का आशीर्वाद लिया। इसके बाद पीएम मोदी का रोड शो हुआ। पहली बार राजधानी दून में 12 किमी का रोड शो किया। इसके बाद गढ़ी कैंट स्थित मैदान से जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान चप्पे-चप्पे पर कड़ी सुरक्षा रही। प्रधानमंत्री बनने के बाद 5 बार केदारनाथ आ चुके हैं, साथ ही बदरीनाथ व मुखबा का भी दौरा कर चुके हैं। पिछले मार्च में उत्तरकाशी जिले में मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा में प्रधानमंत्री ने शीतकालीन यात्रा का संदेश दिया था। एलिवेटेड रोड पर भी पीएम मोदी ने कार से उतरकर निरीक्षण किया। सिर पर ब्रह्मकमल टोपी, भाषण में गढ़वाली-कुमाऊंनी, पीएम मोदी ने जनता का दिल जीत लिया। जनसभा स्थल में लोगों की भारी भीड़ रही।

राजधानी देहरादून मोदीमय हो गई

पीएम मोदी ने पहली बार राजधानी दून में 12 किमी का रोड शो किया। देहरादून मोदीमय हो गई। शहर की सड़कों पर जगह-जगह स्कूली बच्चे, जनता और कार्यकर्ता स्वागत को खड़े नजर आए। इस दौरान कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोड शो के दौरान जनता का अभिवादन किया

वन्यजीव गलियारे का निरीक्षण

प्रधानमंत्री ने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे के एलिवेटेड हिस्से पर बनाए गए वन्यजीव गलियारे का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री जल्द ही देहरादून में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया।

डाट काली मंदिर में दर्शन किया

प्रधानमंत्री देहरादून के पास स्थित जय मां डाट काली मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा अर्चना की। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ भी थे। यहां निरीक्षण के बाद मंदिर परिसर में मौजूद छात्राओं द्वारा दी जा रही प्रस्तुति को कुछ देर के लिए सराहा। इसके बाद वह देहरादून के लिए रवाना हो गए।

पीएम मोदी के भाषण की बड़ी बातें

- पीएम मोदी ने संबोधन की शुरुआत गढ़वाली और कुमाऊंनी में भाषण के साथ की। उन्होंने कहा कि दून पर मां डाट काली की कृपा और आशीर्वाद है।
- बाबा केदार के दर्शन के बाद मेरे मुंह से अचानक ही निकला था कि आने वाला दशक उत्तराखंड का दशक होगा। युवाओं की ऊर्जा से ये प्रदेश विकास के नया आयाम छू रहा है।
- बाबा साहब को नमन कर कहा कि देश का संविधान गरीबों वंचितों, शोषितों को न्याय पूर्ण व्यवस्था के लिए है। बाबा साहब औद्योगिकरण की वकालत करते थे।
- मैं इस विज्ञान को तो नहीं जानता, पर यदि इसी संदर्भ में कहूं और इसे वास्तविक जीवन से जोड़कर देखूं, तो राष्ट्र का भाग्य हमारी सड़कें होती हैं। सड़क रेल नेटवर्क होता है। ये विकास की भाग्य रेखाएं मोदी की भी गारंटी है।
- इस एक्सप्रेसवे से उत्तराखंड के पर्यटन को खास फायदा मिलेगा। देहरादून हरिद्वार ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम के लिए यह सबसे प्रमुख होगा।
- उत्तराखंड को बारामासी पर्यटन की जरूरत है। यहां ग्रीष्मकालीन ही नहीं शीतकालीन यात्रा भी पर्यटन एक नया आयाम देगा।
- यहां प्रगति, प्रकृति और संस्कृति की त्रिवेणी के आधार पर विकास किया जा रहा है। इसलिए ही इस एक्सप्रेसवे पर वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर बनाया गया।
- पीएम ने कहा कि हम तीर्थस्थलों को स्वच्छ और सुंदर रखें। कूड़ा न फैलाएं।
- अगले साल कुंभ के दिव्य और भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़नी है।
- नंदा देवी राजजात होगी। यह हमारी आस्था का केंद्र है। मां नंदा को प्रणाम करता हूं। विकासित भारत के निर्माण में देश की माता बहनों की बड़ी भूमिका है।
- अब एक और पड़ाव है। 4 दशक के इंतजार के बाद संसद ने नारी शक्ति वंदन बिल पास किया था। महिलाओं को 33% आरक्षण में देरी न हो
- , शहीद जसवंत सिंह रावत के शौर्य को देश कभी भुला नहीं सकता। वन रैंक वन पेंशन से हमने करीब सवा लाख करोड़ खर्च किए।

फुले की 200वीं जयंती पर 126 सदस्यीय पैनल का गठन, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे अध्यक्षता

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्र सरकार ने सोमवार को समाज सुधारक ज्योतिराव गोविंदराव फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के समन्वय के लिए 126 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति के गठन की अधिसूचना जारी की है। इस समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।उच्चस्तरीय समिति ज्योति बा फुले की 200वीं जयंती से जुड़े कार्यक्रमों की योजना, नीतियों का अनुमोदन, विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन तथा आयोजन की समग्र निगरानी करेगी। समिति के सुझावों को भारत सरकार द्वारा लागू करने के लिए विचार किया जाएगा, जो प्रचलित नियमों, निर्देशों और प्रक्रियाओं के अधीन होंगे।

समिति में प्रमुख हस्तियां शामिल

इस उच्चस्तरीय पैनल में देश की कई प्रमुख हस्तियों को शामिल किया गया है। इनमें पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और रामनाथ कोविंद, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और के जी बालाकृष्णन शामिल हैं। इसके अलावा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत भी इस समिति के प्रमुख सदस्यों में शामिल हैं। समिति में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को शामिल नहीं किया गया है।

संस्कृति मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

उच्चस्तरीय समिति की घोषणा संस्कृति मंत्रालय द्वारा अधिसूचित की गई है। अधिसूचना के अनुसार, 'श्रीमान ज्योतिराव गोविंदराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर 11 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2028 तक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सक्षम प्राधिकरण ने एक उच्चस्तरीय समिति के गठन को मंजूरी दी है।'

समिति का कार्यक्षेत्र

समिति का मुख्य उद्देश्य 200वीं जयंती के आयोजन से संबंधित नीतियों और योजनाओं को मंजूरी देना, कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा आयोजन की निगरानी करना है। इसके साथ ही यह समिति तैयारियों से जुड़े सभी पहलुओं का मार्गदर्शन भी करेगी।

आज विपक्षी दलों की बैठक में तय होगी फ्लोर रणनीति, विपक्ष ने इन विधेयकों पर जताई आपत्तियां और चिंताएं

महिला आरक्षण के तरकश में हुए जाति गणना व परिसीमन के तीर तो विपक्ष के निशाने पर रहेंगे 'सत्ता-धीर'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधनों को 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक बताया गया है। इसके उलट विपक्षी दलों के गठबंधन ने इन विधेयकों को लेकर गंभीर आपत्तियां और चिंताएं जताई हैं।

संकेत मिल रहे हैं कि प्रस्तावित तीनों विधेयकों का लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में विरोध किया जा सकता है। रणनीति आज की विपक्षी बैठक में तय की जाएगी। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है और यह सब बिना राष्ट्रीय जनगणना कराए किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह कदम लोकतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सरकार के इस 'जल्दबाजी भरे रवैये' पर अपनी नाराजगी स्पष्ट रूप से व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सरकार बिना विपक्ष से कोई सार्थक चर्चा किए विधेयकों को आगे बढ़ा रही है, जो संसदीय परंपराओं के खिलाफ है। तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महिला आरक्षण को 'भटकाने वाला मुद्दा' बनाकर लोकसभा में जनसंख्या आधारित परिसीमन को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने एक वैकल्पिक मॉडल का सुझाव देते हुए कहा कि 136 सीटें जीएसडीपी के आधार पर और शेष सीटें आनुपातिक आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए। हालांकि अभी तक विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं की ओर से कोई औपचारिक और स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आई है, लेकिन विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं का मानना है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकती है। बुधवार को प्रस्तावित बैठक में विपक्षी दलों के अध्यक्ष और शीर्ष नेता शामिल होंगे, जहां इन विधेयकों पर संयुक्त रणनीति तय की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी गठबंधन के सांसद अपने-अपने दलों के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। संसद में विधेयकों के पेश होने के बाद वे उसी के अनुसार अपनी रणनीति अपनाएंगे। कुछ सांसदों का मानना है कि विपक्ष इन विधेयकों का समर्थन नहीं करेगा। इसके पीछे प्रमुख कारणों में महिला आरक्षण में उप-वर्गीकरण, जनगणना के बिना परिसीमन, और जातीय गणना को ठंडे बस्ते में डालना शामिल है।

कांग्रेस के एक सांसद ने कहा कि सोनिया गांधी के हालिया लेख के स्वर से यह संकेत मिलता है कि पार्टी इन विधेयकों का समर्थन नहीं कर सकती। हालांकि अंतिम निर्णय बैठक में पार्टी नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा।एक अन्य कांग्रेस सांसद ने कहा कि पार्टी के सामने यह एक कठिन निर्णय है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों के हित, संसद का आकार 800 से अधिक सदस्यों तक बढ़ने की संभावना और बंगाल चुनाव जैसे कई पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने विधेयकों की प्रतियां सांसदों को अध्ययन के लिए उपलब्ध नहीं कराई हैं, जो पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है। वहीं सपा सांसद इकरा चौधरी ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी की प्रमुख मांग महिला आरक्षण में उप-वर्गीकरण की है, ताकि ओबीसी वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण का लाभ मिल सके। टीएमसी के सूत्रों ने बताया कि पार्टी चाहती है कि कांग्रेस सभी दलों को विश्वास में लेकर इस मुद्दे पर विपक्ष का नेतृत्व करे। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिए आरक्षण की आवश्यकता नहीं मानती। हम पहले से ही सभी चुनावों चाहे वो राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव हों या संसद में पहुंचने के लिए लोकसभा चुनाव महिलाओं को 33 फीसदी से अधिक टिकट और सीटें दे रहे हैं।" द्रमुक ने अपने सांसदों के लिए तीन लाइन व्हिप जारी कर दिया है, लेकिन दिल्ली में मौजूद पार्टी संसदीय दल के एक नेता ने कहा, अंतिम रणनीति पर निर्णय आज, 15 अप्रैल की बैठक के बाद ही लिया जाएगा। कुल मिलाकर, महिला आरक्षण, परिसीमन और जातीय जनगणना जैसे अहम मुद्दों पर सियासी हलचल तेज हो गई है। अब सबकी नजर आज की विपक्षी दलों की बैठक पर टिकी है, जहां यह तय होगा कि संसद में इन विधेयकों को लेकर विपक्ष का रुख क्या रहेगा?

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, साथी गंभीर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ठाकुरगंज क्षेत्र के गऊघाट के पास सोमवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पुलिस ने इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर रात एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। माल कस्बा निवासी सलमान अहमद (31) पुणे में बाइक मिस्त्री का काम करता था। परिजनों के अनुसार उसके पिता वकील अहमद की तबीयत खराब होने के कारण उन्हें आईआईएम रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को सलमान अपने एक दोस्त के साथ बाइक से पिता को खाना देने अस्पताल जा रहा था। इसी दौरान ठाकुरगंज के गऊघाट के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान देर रात सलमान की मौत हो गई, जबकि उसके साथी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

बिना अनुमति बुद्ध प्रतिमा स्थापना पर पुलिस की कार्रवाई, ग्रामीणों में नाराजगी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल इलाके के रघुनाथपुर गांव में बिना अनुमति भगवान बुद्ध की प्रतिमा स्थापित किए जाने पर पुलिस द्वारा उसे हटवाने की कार्रवाई से स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। जानकारी के अनुसार, रघुनाथपुर गांव निवासी रमेश ने अपनी निजी जमीन पर पहले से डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर रखी है। सोमवार रात उन्होंने उसी के बगल में भगवान बुद्ध की एक और प्रतिमा स्थापित कर दी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बिना अनुमति प्रतिमा स्थापित किए जाने का हवाला देते हुए मूर्ति को हटवा दिया। बताया जा रहा है कि हटाने के दौरान प्रतिमा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे आसपास के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए थी।

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन ही एक सन्देश - केशव प्रसाद मौर्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को लखनऊ स्थित अपने कैम्प कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का संपूर्ण जीवन ही एक सशक्त संदेश है। उन्होंने अपने संघर्ष, शिक्षा और संकल्प के बल पर समाज के वंचित, शोषित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्श और उनका जीवन दर्शन आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं, जिन्हें अपनाकर समाज में समता और न्याय की स्थापना की जा सकती है। श्री मौर्य ने कहा कि सामाजिक न्याय के अग्रदूत एवं भारतीय संविधान के शिल्पी बाबा साहब डॉ. आंबेडकर ने शिक्षा को परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बनाते हुए वंचितों, श्रमिकों और किसानों को अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके द्वारा स्थापित समता, न्याय और मानव गरिमा के सिद्धांत आज भी राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ बाबा साहब के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। पंचतीर्थ जैसे प्रेरक प्रयासों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संघर्षमय जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। हमें न केवल उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करते हुए एक समतामूलक और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

बेमौसम बारिश से ईंट भट्ठा कारोबार पर भारी मार

भट्ठों पर बारिश की मार, लाखों ईंटें हुईं खराब, बेमौसम बारिश से ईंट भट्ठा कारोबार चरमराया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लखनऊ में बेमौसम हुई भारी बारिश ने ईंट भट्ठा कारोबार को गहरा झटका दिया है। लगातार हो रही वर्षा के चलते लाखों की संख्या में तैयार कच्ची ईंटें खराब हो गईं, जिससे भट्ठा मालिकों और व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लखनऊ ब्रिक किल्न एसोसिएशन द्वारा जारी प्रेस वार्ता के माध्यम से बताया कि मार्च और अप्रैल माह में हुई असामान्य बारिश के कारण कच्ची ईंटें गलकर नष्ट हो गईं। इसके चलते उत्पादन प्रक्रिया प्रभावित हुई है और ईंट भट्ठों का संचालन करीब 50 प्रतिशत तक घट गया है। एसोसिएशन के अनुसार, एक-एक भट्ठे पर औसतन 8 से 10 लाख कच्ची ईंटों का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, पथाई खदानों में पानी भर जाने से उत्पादन कार्य भी ठप हो गया है, जिससे आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। भट्ठा मालिकों का कहना है कि मजदूरी, रखरखाव और अन्य खर्च पहले की तरह ही रहेंगे, जबकि उत्पादन घटने से आर्थिक बोझ बढ़ेगा। एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि वर्ष 2025-26 के लिए जमा विनियमन शुल्क को आगामी सत्र 2026-27 में समायोजित किया जाए, ताकि प्रभावित भट्ठा संचालकों को राहत मिल सके।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर अखिलेश ने किया माल्यार्पण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर हजरतगंज चौराहा पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर अखिलेश यादव के साथ पार्टी के मोहनलालगंज से सांसद आरके चौधरी, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, अभिषेक मिश्र, लखनऊ महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी, जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि आज हम सब लोग भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। हजारों सालों के शोषण के खिलाफ सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। सामाजिक न्याय के राज के लिए साल लगे या सदी समाजवादी लोग लगातार संघर्ष करेंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक राजेन्द्र यादव, अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह, अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष सुशील दीक्षित सहित अभय मुलायम, जोन प्रभारी मनीष यादव, राजू कुरैशी मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती समारोह में बवाल, मारपीट-पथराव और हवाई फायरिंग

माल्यार्पण के क्रम को लेकर विवाद, छह हिरासत में; ड्यूटी में लापरवाही पर दारोगा निलंबित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बंथरा क्षेत्र के शिवपुरा स्थित अंबेडकरनगर में अंबेडकर जयंती कार्यक्रम के दौरान माल्यार्पण को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दो पक्षों में जमकर मारपीट, पथराव और हवाई फायरिंग तक हो गई। घटना में कई लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह हालात पर काबू पाया। पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में पहले प्रार्थना के बाद माल्यार्पण का क्रम तय था। इसी बीच नगर पंचायत चेयरमैन रामावती रावत के बेटे रंजीत रावत अपने समर्थकों के साथ कई गाड़ियों से पहुंचे। आरोप है कि गेट बंद होने के बावजूद उन्होंने जबरन प्रवेश किया और आयोजकों के मना करने के बावजूद प्रतिमा पर पहले ही माला चढ़ा दी। इसे लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले। आरोप है कि खुद को घिरता देख चेयरमैन पक्ष के एक व्यक्ति ने हवाई फायरिंग कर दी, जिससे अफरातफरी मच गई। मारपीट में करन गौतम, विशाल गौतम और सरवन कुमार घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी सरोजनीनगर भेजा गया। घटना के बाद दोनों पक्ष बंथरा थाने पहुंचे, जहां भी तनाव की स्थिति बन गई। आरोप है कि थाने परिसर में भी एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर हमला करने की कोशिश की, जिसे पुलिस ने समय रहते नियंत्रित कर लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एडीसीपी दक्षिणी व एसीपी कृष्णानगर समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू की।

ड्यूटी में लापरवाही पर कार्रवाई

जांच में सामने आया कि कार्यक्रम में दारोगा विपिन कुमार की ड्यूटी लगी थी, लेकिन वह समय पर नहीं पहुंचे। संतोषजनक जवाब न देने पर एसीपी कृष्णानगर की रिपोर्ट के आधार पर उन्हें निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पति से विवाद के बाद महिला ने फांसी लगाकर दी जान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के सहिमाबाद गांव में मंगलवार को एक महिला ने घरेलू विवाद के बाद आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, रेशमा (35) का अपने पति अरविंद कुमार से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। ग्रामीणों के मुताबिक, मंगलवार दोपहर बाद दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद के बाद अरविंद घर से बाहर चले गए। इसी बीच नाराज रेशमा ने कमरे में जाकर फंदे के सहारे फांसी लगा ली। घटना के समय उनके बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे, जिससे किसी को तत्काल जानकारी नहीं हो सकी।

मृतका रेशमा फाइल - फोटो

मृतका के परिवार में दो बच्चे हैं—बेटी मान्या और बेटा अरमान। अरविंद कुमार मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। घटना से गांव में शोक का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

लखनऊ बना सामाजिक जागरूकता का मंच

अमन लेखनी समाचार

- नमक से पहले पानी नाटक में दिखी बाबा साहेब के संघर्ष और संकल्प की कहानी
- बाबा साहेब के सिद्धांत आज भी समाज को दे रहे नई दिशा : जयवीर सिंह

लखनऊ। राजधानी में मंगलवार को संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर योगी आदित्यनाथ आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सामाजिक समरसता और जागरूकता का एक प्रभावशाली संदेश दिया। इस खास मौके पर नाट्य मंचन और गायन प्रस्तुतियों के जरिए बाबा साहेब के जीवन और संघर्ष को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को भावुक और प्रेरित किया।

उन्नाव से आए कलाकारों की ओर से प्रस्तुत नाटक में योगेंद्र पाल ने बाबा साहेब की भूमिका निभाते हुए उनके पूरे जीवन दर्शन को सशक्त तरीके से मंच पर उतारा। वहीं नमक से पहले पानी जैसे नाट्य मंचन के जरिए डॉ. आंबेडकर की जीवन यात्रा को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। लखनऊ से आए विपिन कुमार और उनकी टीम ने भी अपने मंचन से कार्यक्रम में नई ऊर्जा भर दी, जबकि मुंबई से आए कलाकारों की गायन प्रस्तुति ने पूरे माहौल को और अधिक भावपूर्ण बना दिया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि भीमराव आंबेडकर ने विश्व को एक श्रेष्ठ संविधान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक समरसता और समानता का ऐसा मार्ग दिखाया, जिसकी बदौलत आज समाज के वंचित और पिछड़े वर्ग भी मुख्यधारा में सशक्त रूप से शामिल हो रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार बाबा साहेब से जुड़े स्मारकों के संरक्षण और विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। साथ ही इन स्थलों के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक धनराशि भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उनकी विरासत को सुरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सके। अपर मुख्य सचिव, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने कहा कि इस अवसर पर देशभर से आए कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के जीवन मूल्यों को आत्मसात करते हुए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है और समाज में समरसता तथा समानता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। जयवीर सिंह ने यह भी कहा कि 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे भीमराव आंबेडकर भारतीय इतिहास के अत्यंत विद्वान और दूरदर्शी व्यक्तित्वों में शामिल थे।

स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री के रूप में उन्होंने संविधान निर्माण में अहम योगदान दिया। उनके सिद्धांत आज भी समाज को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं, और इन्हीं मूल्यों को सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया।

आंबेडकर जयंती पर विकास और सम्मान के कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

- विधायक ने 10 और प्रतिमाओं के जीर्णोद्धार का किया ऐलान

लखनऊ। भारत रत्न भीमराव रामजी आंबेडकर की जयंती के अवसर पर सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में व्यापक स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में संविधान गौरव अभियान के तहत क्षेत्र के छह मंडलों में 20 से अधिक स्थानों पर बाबा साहब की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके विचारों—समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व—को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा कराए गए विकास एवं जनहितकारी कार्यों की जानकारी भी साझा की गई। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में 10 प्रमुख स्थानों पर बाबा साहब की प्रतिमाओं का सौंदर्यीकरण कराया गया, जिनका अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर लोकार्पण किया गया। इन कार्यों में टीनशेड निर्माण, स्वच्छता व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और परिसर विकास शामिल हैं, जिससे आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने घोषणा की कि अगले एक वर्ष में 10 और स्थानों पर प्रतिमाओं का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी स्थलों पर साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा तथा स्थानीय लोगों की सहभागिता से इन स्थानों को प्रेरणास्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। अभियान के दौरान जरूरतमंद विद्यार्थियों को साइकिल वितरित कर शिक्षा को बढ़ावा दिया गया, वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित कर समाज में उनके योगदान को सराहा गया।

कार्यक्रमों में सामाजिक समरसता और संवैधानिक जागरूकता पर भी जोर दिया गया। खुशहालगंज, अर्जुनगंज, दक्षिण मंडल तृतीय, सरोजनीनगर मंडल और अन्य क्षेत्रों के कई गांवों व मोहल्लों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। विधायक के पराग स्थित कार्यालय पर भी जयंती समारोह आयोजित हुआ। इन कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प दोहराया।

टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट में कॉमर्शियल गाड़ी को हरी झंडी दिखायेंगे सीएम

अमन लेखनी समाचार

- जीरो-एमिशन इलेक्ट्रिक बस के साथ ग्रीन मोबिलिटी को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में बुधवार को एक ऐतिहासिक पड़ाव जुड़ने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स के प्लांट में निर्मित 10 लाखवीं कमर्शियल गाड़ी को हरी झंडी दिखाएंगे। इस ऐतिहासिक क्षण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अतिरिक्त टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी मौजूद रहेंगे। यह उपलब्धि न केवल कंपनी के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य के लिए गर्व का विषय होगी।

यह माइलस्टोन वाहन एक जीरो-एमिशन इलेक्ट्रिक बस है, जो राज्य और कंपनी की ग्रीन मोबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश की नेट-जीरो 2070 की परिकल्पना और कंपनी के 2045 के लक्ष्य के अनुरूप है। यह प्रदेश की स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का है, जिसमें औद्योगिक निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार सृजन अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में यह उपलब्धि प्रदेश के औद्योगिक आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी तथा निवेशकों के लिए सकारात्मक संदेश देगी। करीब तीन दशकों से अधिक समय से संचालित यह प्लांट प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और कौशल विकास का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। 1992 में स्थापित लखनऊ प्लांट आज प्रदेश में 8 हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है और कौशल विकास के लिए कौशल्या, लक्ष्य और सक्षम जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित करता है। साथ ही, यह 100% नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित और जल-सकारात्मक सुविधा के रूप में पर्यावरण संरक्षण का भी उदाहरण प्रस्तुत करता है।

पीड़ितों के लिए 14566 नंबर हेल्पलाइन बनी सहारा

अमन लेखनी समाचार

- समाज कल्याण विभाग की सख्ती से एक साल में 100% शिकायतों का हुआ निस्तारण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शासन-प्रशासन को संवेदनशील और जवाबदेह बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित 14566 नंबर अत्याचार एवं उत्पीड़न हेल्पलाइन प्रदेश के पीड़ितों के लिए मजबूत सहारा बनकर उभरी है। योगी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि किसी भी पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। समाज कल्याण विभाग के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2025-26 में हेल्पलाइन के माध्यम से कुल 553 शिकायतें दर्ज की गईं।

उल्लेखनीय बात यह है कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक कुल 628 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें अप्रैल में 45, मई में 37, जून और जुलाई में 65-65, अगस्त में 57, सितंबर में 80, अक्टूबर में 79, नवंबर में 40, दिसंबर में 35, जनवरी में 37, फरवरी में 48 और मार्च में 40 शिकायतें शामिल हैं। जांच के दौरान 75 शिकायतें दो बार दर्ज पाई गईं, जिन्हें अलग कर दिया गया। इसके बाद शेष सभी मामलों में संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर कार्रवाई सुनिश्चित कराई गई। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता का विशेष ध्यान रखा गया है। हेल्पलाइन पर कॉल आते ही शिकायत को ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जाता है और संबंधित जिले को तत्काल प्रेषित किया जाता है। इसके साथ ही उसकी एक प्रति समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को भी भेजी जाती है, जिससे हर स्तर पर निगरानी बनी रहे। कार्रवाई पूरी होने के बाद पीड़ित- पीड़िताओं से फीडबैक लेकर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उसे वास्तविक न्याय मिला है या नहीं। विभाग के अधिकारी ने अपील करते हुए कहा है कि प्रदेश के किसी भी जिले में यदि किसी व्यक्ति के साथ अत्याचार या उत्पीड़न की घटना होती है, तो वह बिना किसी झिझक के 14566 नंबर हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकता है। सरकार ने इस व्यवस्था को पूरी तरह आधुनिक और जवाबदेह बनाया है, जिससे शिकायतों का निस्तारण तेजी से और प्रभावी ढंग से हो सके। योगी सरकार की इस पहल ने यह साबित कर दिया है कि सुशासन केवल दावों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

आंबेडकर ने समाज को समानता, न्याय और अधिकारों का मार्ग दिखाया

लखनऊ। भारतीय संविधान के निर्माता तथा समाज के दलित, शोषित, वंचित और पीड़ित वर्ग के लोगों के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले मसीहा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने राजधानी के हजरतगंज स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में गोष्ठी का संचालन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कंट्रोल रूम के प्रभारी विजय बहादुर ने किया। संगोष्ठी को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय समाज को समानता, न्याय और अधिकारों का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी प्रासंगिक है। उनका जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है, जिससे प्रत्येक नागरिक को प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी विचार विभाग के चेयरमैन एचएल दुसाध ने कहा कि राहुल गांधी का समाज के दलित, शोषित पिछड़ों के लिए किया जा रहा संघर्ष बाबा साहब जैसा है और राहुल गांधी आज के अम्बेडकर हैं।

स्कूल बनेंगे नारी शक्ति का केंद्र

16 से 20 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन अभियान, स्कूलों में होंगे विशेष आयोजन

- योग, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों से बालिकाओं के आत्मविश्वास पर फोकस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नारी सशक्तीकरण को जमीनी स्तर पर नई दिशा देने के लिए योगी सरकार ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। अब स्कूलों को ही नारी शक्ति के निर्माण का केंद्र बनाते हुए प्रदेशभर में नारी शक्ति वंदन अभियान को शुरू किया जा रहा है। 16 से 20 अप्रैल तक चलने वाले इस विशेष अभियान के अंतर्गत परिषदीय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में व्यापक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने मंगलवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के व्यापक प्रचार-प्रसार में उच्च शिक्षा विभाग की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की एक वर्चुअल बैठक की। उन्होंने बैठक में प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को अभियान की गतिविधियां प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस अभियान को राज्यव्यापी स्तर पर लागू किया जा रहा है। ज्ञात हो कि ह्यनारी शक्ति वंदन अभियान का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देना है, ताकि उन्हें प्रारंभिक स्तर से ही सशक्त बनाया जा सके।

जारी दिशा-निर्देश के अनुसार 16 अप्रैल को नारी शक्ति वंदन दिवस के रूप में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें 70 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति वाली बालिकाओं के अभिभावकों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही केजीबीवी परिसर में बालिकाओं एवं महिला अध्यापकों की ओर से नारी शक्ति मानव श्रृंखला का निर्माण किया जायेगा और विकास खण्ड स्तर पर महिला वंदन के दृष्टिगत नारी सशक्तीकरण संबंधी कार्यक्रम का आयोजन होगा।

17 अप्रैल को छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर रहेगा फोकस : 17 अप्रैल को छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए योगाभ्यास, खेलकूद एवं अनुशासन आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। 20 अप्रैल को छात्राओं की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए निबंध, कविता, पोस्टर, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

इन गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत किया जाएगा। विभागीय स्तर पर सभी विद्यालयों को निर्देशित किया गया है कि इन कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। 16 अप्रैल को नारी शक्ति सम्मान, 17 अप्रैल को आत्मरक्षा प्रदर्शन, समाज सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, 20 अप्रैल को वाद-विवाद एवं लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि 15 एवं 16 अप्रैल को प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में ह्यनारी शक्ति पदयात्रा आयोजित की जाए।

संक्षेप

दबंगो ने घर में घुसकर दंपति पर किया जानलेवा हमला

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र में दबंगों ने एक महिला और उसके पति पर घर में घुसकर जानलेवा हमला किया।लाठी-डंडों और चाकू से किए गए इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, रजनी पत्नी हेमराज, निवासी पटकापुर थाना कोतवाली, अपने घर पर मौजूद थीं। इसी दौरान पड़ोसी कुछ लोगों के साथ उनके घर में घुस आया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले गाली-गलौज की और फिर अचानक लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी।विरोध करने पर हमलावरों ने चाकू से भी हमला कर दिया, जिससे रजनी और उनके पति हेमराज गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ितों के मुताबिक, हमलावर अपने भाइयों के साथ आए थे और पूरी घटना को अंजाम देने के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पीड़ितों के बयान दर्ज कर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास शुरू कर दिया है।प्रारंभिक जांच में मामला आपसी रंजिश का बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।पीड़िता रजनी और उनके पति की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज जारी है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की जा रही है।

तेज रफ्तार बनी काल खंती में गिरी बाइक, अधेड़ की दर्दनाक मौत

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के पाटन-धानीखेड़ा मार्ग पर सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 55 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गई। अनियंत्रित होकर बाइक सड़क किनारे खंती में जा गिरी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहद्दीपुर (थाना अचलगंज) निवासी कैलाश शुक्ला (55) पुत्र रामकुमार शुक्ला अपनी बाइक से बारा सगवर थाना क्षेत्र के गांव नारायण दास खेड़ा स्थित अपनी ससुराल गए हुए थे। सोमवार देर रात करीब 10 बजे जब वह वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी पाटन-धानीखेड़ा रोड पर माधवपुर के पास उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खंती में जा गिरी।

हादसा इतना भीषण था कि कैलाश शुक्ला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है, वहीं क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर निकाली गई भव्य भीम शोभायात्रा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भव्य भीम शोभायात्रा निकाली गई।इस यात्रा में जिले भर से सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरा शहर उत्सव के रंग में रंग गया। जगह-जगह आकर्षक स्वागत द्वार बनाए गए और पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का जोरदार स्वागत किया गया।शोभायात्रा की शुरूआत बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।दोनों अधिकारियों ने बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने और समाज में समरसता बनाए रखने का संदेश दिया।यात्रा में शामिल झांकियों ने बाबा साहेब के जीवन, उनके संघर्ष, संविधान निर्माण में उनके योगदान और सामाजिक सुधारों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते युवाओं, हाथों में झंडे और पोस्टर लिए लोगों तथा ₹जय भीम₹ और ₹बाबा साहेब अमर रहें₹ के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए विभिन्न इलाकों में पहुंची, जहां स्थानीय लोगों ने पानी, शरबत और अन्य व्यवस्थाओं के साथ प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रही। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की सतत निगरानी में कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब केवल संविधान निमार्ता ही नहीं, बल्कि महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन भर समानता, शिक्षा और न्याय के लिए संघर्ष किया, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने कहा कि समाज में एकता, भाईचारा और समानता बनाए रखने के लिए बाबा साहेब के विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं।शोभायात्रा में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। जगह-जगह युवा सेल्फी लेते नजर आए, वहीं बच्चों में भी खासा उत्साह देखा गया। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक समरसता और एकजुटता का संदेश प्रमुख रूप से दिखाई दिया।इसी क्रम में अग्निशमन तथा आपात सेवा, उन्नाव द्वारा भी विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जनपद में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया डॉ भीमराव अंबेडकर का जन्मदिवस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।14 अप्रैल 2026 को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिले के सभी बूथों, बस्तियों और गांवों में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए। जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमाओं/चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी, सेवा कार्य किए और उनके सामाजिक न्याय के विचारों को जन-जन तक पहुँचाया। मीडिया प्रभारी विजय द्विवेदी ने बताया कि जिले में 2700 से भी अधिक स्थानों पर भाजपा ने बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया।जिले के वरिष्ठ भाजपा कार्यकताओं ने प्त200 स्थानों पर सफाई अभियान चलाया और ₹दीपोत्सव₹ के साथ बाबा साहेब की जयंती मनाई गई।दलित बस्तियों में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बाबा साहेब के जीवन पर गोष्ठियाँ आयोजित की गईं।जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने बताया कि आज पार्टी ने संदेश दिया है कि भाजपा सरकार मोदी जी के नेतृत्व में बिना भेदभाव के समाज के शोषित और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अंबेडकर के विचारों के अनुरूप है।इन कार्यक्रमों का उद्देश्य दलित समुदाय के बीच अपनी पैठ मजबूत करना और बाबा साहेब के सम्मान में भाजपा सरकार के कार्यों (जैसे पंचतीर्थ विकसित करना) को रेखांकित करना था।ग्राम गुलरिहा में पुरवा विधायक अनिल सिंह ने बाबा साहब जी की प्रतिमा स्थल पर साफ - सफाई अभियान में प्रतिभागिता की एवं माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सदर के राजकीय छात्रावास परिसर में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।जिला भाजपा कार्यालय पर अध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने कार्यकताओं के साथ बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजली दी।

अस्पताल परिसर में ठंडे पानी की लगी मशीन बनी शोपीस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों के लिए लगाई गई ठंडे पानी की मशीनें खराब पड़ी हैं। भीषण गर्मी के बीच अस्पताल आने वाले लोगों को ठंडा पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरी में मरीजों और उनके परिजनों को बाहर से बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है।अस्पताल परिसर में कई स्थानों पर वाटर कूलर और ठंडे पानी की मशीनें लगाई गई थीं। हालांकि, वर्तमान में अधिकांश मशीनें या तो खराब हैं, उनमें पानी उपलब्ध नहीं है, या बिजली कनेक्शन के अभाव में लंबे समय से बंद पड़ी हैं। रखरखाव की कमी भी इसका एक प्रमुख कारण है।तीमारदारों ने बताया कि अस्पताल में इलाज और अन्य प्रक्रियाओं में काफी समय लगता है, ऐसे में पानी की अनुपलब्धता उनकी परेशानी और बढ़ा देती है। बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से कठिन है। कई लोगों को 20 से 30 रुपये खर्च कर पानी की बोतलें खरीदनी पड़ रही हैं, जो सभी के लिए वहन करना संभव नहीं है। अस्पताल प्रशासन की इस लापरवाही को लेकर लोगों में नाराजगी है। उनका कहना है कि सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं का उचित संचालन और रखरखाव न होने के कारण आम जनता को उनका लाभ नहीं मिल पाता।इस संबंध में जब अस्पताल प्रशासन से संपर्क किया गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों ने स्पष्ट जवाब देने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया है कि मशीनों को जल्द ही दुरुस्त कराया जाएगा और पानी की व्यवस्था में सुधार किया जाएगा।

तहसील क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में डॉ भीम राव अम्बेडकर की मनाई गई जयन्ती

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील मुख्यालय में उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह व तहसीलदार गणेश सिंह ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कहा डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक राजनेता या विधिवेत्ता नहीं थे, बल्कि वे एक दूरदर्शी समाज सुधारक थे।सुमेरपुर मंडल अध्यक्ष आशीष बाबा ने पिथइखेड़ा ,गोबरहा आदि स्थानों पर स्थानीय लोगो के साथ मिल बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मोनू पासवान,सिक्की बोटा आदि उपस्थित रहे ।नगर पंचायत में चैयरमैन आशीष शुक्ला की अगुवाई में डॉ आंबेडकर जयन्ती मनाई गई।इस मौके पर मुन्ना मिश्रा, जयदीप,रविन्द्र,दीपक नारायण सोनी राजेन्द्र कसेरा,अमित आदि लोग मौजूद रहे।हुलासीखेड़ा में राजेश विश्वकर्मा की अगुवाई में ग्रामवासियों के साथ मिल अम्बेडकर जयंती धूमधाम से मनाई। ग्रामवासियों में श्री कांत तिवारी,बाबू शंकर कुरील प्रेमलाल लोधी सुंदरलाल पासी शिव प्रताप पासी अरुण कुमार लोधी , बच्चू लाल आदि उपस्थित रहे।बारासगवर क्षेत्र में अंकित सिंह परिहार के कार्यालय बारा में भारत रत्न बाबा साहब डा. भीम राव अंबेडकर जी की जयंती स्वाभिमान- स्वमान समारोह के रूप में मनाई।समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने कृतज्ञ भावना से बाबा साहब को नमन किया।

गोली मारकर युवक को घायल करने वाले आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में ग्राम प्रधानी के चुनाव की तैयारी कर रहे युवक के समर्थन में युवक द्वारा मोबाइल फोन पर स्टेटस लगाने से नाराज दूसरे पक्ष का समर्थन करने वाले युवक के साथ बिवाद हो गया था उसी की रंजिश को लेकर सोमवार की सुबह परचून की दुकान पर सामान लेने जा रहे मनोज शुक्ला के साथ गाली-गलौज का बिरोध करने पर अवैध तमंचे से गोली मार दी गयी थी जिसे गभींर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था पीडित के भतीजे पंकज शुक्ला की तहरीर पर पुलिस ने सौरभ सिंह अमन सिंह और दीपक सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था और तीनों आरोपियों को मोबाइल फोन की लोकेशन से पूरा निस्फपंसारी नहर पुल के पास से क्रेटा कार से तीनों को गिरफ्तार कर उनकी निशान देही सौरभ सिंह व दीपक सिंह के पास से एक एक अवैध तमंचा व कारतूस का खोखा बरामद कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि एस आई महेंद्र सिंह व कोमल सिंह ने टीम के साथ गोलीकांड में नामित तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

स्मार्ट मीटर लगाने का ग्रामीणों ने किया विरोध विद्युत आपूर्ति की बंद

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के फतेहपुर खालसा गांव में स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध ग्रामीणों को भारी पड़ गया है। बिजली निगम ने गांव की आपूर्ति चार दिन से काट रखी है, जिससे करीब 2200 की आबादी अंधेरे में है और पानी की समस्या से भी जूझ रही है।बिजली निगम के कर्मचारी 10 अप्रैल को गांव में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे थे। शुरूआती तौर पर 15-20 घरों में मीटर लगाए गए, लेकिन अन्य ग्रामीणों ने विरोध करते हुए मीटर लगवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद निगम ने पूरे गांव की बिजली काट दी।हालांकि, विधायक के हस्तक्षेप के बाद उसी रात आपूर्ति बहाल कर दी गई थी। अगले दिन, 11 अप्रैल को, बिजली विभाग की टीम फिर गांव पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने दोबारा मीटर नहीं लगाने दिए। इसके बाद से गांव की बिजली आपूर्ति फिर काट दी गई है, जो अब तक बहाल नहीं हुई है। करीब 100 घंटे से अधिक समय से बिजली गुल है।बांगरमऊ के एसडीओ रमेश चंद्र धीमान ने बताया कि जब तक ग्रामीण स्मार्ट मीटर नहीं लगवाएंगे, तब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाएगी, चाहे इसमें कितने भी दिन लग जाएं।ग्राम प्रधान मैसेज जहां ने बताया कि ग्रामीण स्मार्ट मीटर के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि वे पहले गांव की जर्जर एलटी और एचटी लाइनें बदलने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव में बिजली के तार डंडों के सहारे जा रहे हैं, जिससे खतरा बना रहता है।गांव के रामपाल, हफीज, अस्पाक और मुन्नीलाल जैसे कई ग्रामीणों ने बताया कि बिजली संकट के कारण उनकी परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। पंखे और अन्य उपकरण नहीं चल पा रहे हैं। उन्होंने निगम पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए जल्द समाधान की मांग की। बिजली न होने से बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं, जिससे गांव में त्राहिमाम की स्थिति है।

अनियंत्रित बाइक निमार्णाधीन पुलिया से टकराई एक कि मौत दूसरा घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र के निमैचा गांव निवासी अमित 23 वर्ष पुत्र रमेश सविता अपने चचेरे भाई रामकरन 21वर्षपुत्र तुलसीराम के साथ के साथ बीती रात लगभग ग्यारह बजे कालूखेड़ा से घर वापस निमैचा आ रहे थे । कालूखेड़ा असोहा मार्ग पर बाइक सवार अमित शिवगढ़ के पास किसी वाहन को ओवरटेक करके जैसे ही आगे निकले की शिवगढ़ गांव के बाहर कालूखेड़ा असोहा मार्ग पर बनी रही पुलिया में अनियंत्रित होकर टकरा गए और दोनों उसी पुलिया में गिर गए ,निकल रहे राहगीरों ने घायल रामकरन से गांव के प्रधान पुत्र सुधीर राजपूत का नम्बर ले उनको सूचना दी ,सूचना पर पहुंचे सुधीर ने एम्बुलेंस की मदद से दोनो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र असोहा पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया तथा गम्भीर घायल रामकरन को जिला अस्पताल रेफर कर दिया ,,रामकरन के परिजन जिला अस्पताल न ले जाकर घायल को निजी नरसिंग होम मोहनलालगंज लखनऊ ले गए जहां घायल का इलाज चल रहा है । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भेज दिया । थाना प्रभारी फूल सिंह ने बताया कि अमित की मृत्यु वाहन को ओवरटेक के चक्कर मे हुई है , आगे की कार्यवाही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी । म्रतक अमित तीन भाइयो आतल व अंकित में सबसे छोटा था , माँ तारावती , भाइयो सहित परिजनों का रो रो बुराहाल है ।

विद्युत विभाग की लापरवाही से गेहूं की फसल जलकर हुई राख

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। मुख्यालय पाटन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूरन खेड़ा मजरा त्रिपुरापुर में मंगलवार दोपहर गांव के बाहर खेत से जुड़ा गांव में विद्युत सप्लाई हेतु ट्रांसफार्मर रखा हुआ है जिसके तार जमीन तक लटके है तार लटके होने के कारण बिजली आते समय अचानक चिंगारी निकलने से खेत में गेहूं की फसल में आग लग गई जब तक लोग कुछ समझ पाते जब तक आग विकराल रूप धारण कर लिया लगभग 5 बीघा से ज्यादा फसल 15 से 20 मिनट में जलकर राख हो गई कुछ लोगों ने अग्नि विभाग को जानकारी दी लेकिन जब तक आग बुझाने वाली गाड़ी पहुंचती जब तक ग्रामीण कड़ी मेहनत करके आग बुझा ले गए लोगों ने बताया कि यदि जले हुए खेत के आसपास गेहूं की फसल पहले नहीं कटी होती तो सैकड़ो बीघा फसल जल जाती सूचना पाकर क्षेत्रीय लेखपाल जितेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंचे वही जय सिंह व शिव करन पुत्रगण शिव दर्शन निवासी पूरन खेड़ा के लगभग चार बीघा अजय पुत्र ईश्वर दीन के लगभग एक बीघा गेहूं की फसल जली वही शिवकरण ने बताया कि मेरे खेत में लगभग 50 से 60 कुंतल गेहूं प्रतिवर्ष पैदा होता है इस बार बहुत अच्छी फसल थी अधिक गेहूं निकालता वहीं उन्होंने बताया कि बिजली विभाग को सूचना दिया है लेकिन अभी तक नहीं आया है विद्युत विभाग के द्वारा कहीं जर्जर तार कहीं तार जमीन से थोड़ी ऊंचे लटक रहे हैं कहीं फसल के पास ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं जिसके कारण प्रतिवर्ष किसानों का भारी नुकसान होता है किसान कड़ी मेहनत करके फसल को उगाता है व अनाज पैदा करता है

डीएम ने अंबेडकर जयंती पर की अपील

जाति-भेदभाव से ऊपर उठकर अंबेडकर के मूलमंत्र अपनाएं

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,बाबा भीमराव अम्बेडकर की 136वीं जयंती मनाई गई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, एडीएम प्रशासन और एडीएम वित्त सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों से जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के मूलमंत्र को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन, व्यक्तित्व और उनके महान योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डॉ. अंबेडकर द्वारा लिखे गए शोध-पत्रों के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। डीएम ने यह भी उल्लेख किया कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने स्वयं स्वीकार किया है कि उन्हें नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने में डॉ. अंबेडकर के शोध कार्यों से अत्यंत प्रेरणा मिली। जिलाधिकारी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा बनाए गए कानूनों और सामाजिक सुधारों ने देश में समानता, न्याय और अधिकारों की मजबूत नींव रखी है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें उनसे प्रेरणा लेकर समाज में समरसता एवं समानता स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। डीएम ने जोर दिया कि यही डॉ. अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और इससे देश के समग्र विकास को गति मिलेगी। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों ने भी बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला। अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार ने उनके जन्म से लेकर शिक्षा और संघर्षों का विस्तृत वर्णन किया। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने कविता के माध्यम से, जबकि विनाका मौर्य ने गीत के माध्यम से संविधान और उसके निर्माण की जानकारी दी। योगेश अग्रवाल ने कहा कि डॉ. आंबेडकर संविधान के शिल्पकार, समानता और न्याय के महान प्रवर्तक थे, जिनका योगदान समस्त समाज के लिए अमूल्य है। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज के प्रत्येक वर्ग को उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला महिला का शव

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत विवाहिता का शव फाँसी के फंदे से लटका मिला। मायके पक्ष ने मार डालने का आरोप लगाया। लड़की के पिता द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने पर शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।जनपद रायबरेली के थाना क्षेत्र सतांव निवासी बृजमोहन सिंह ने अपनी पुत्री लक्ष्मी सिंह उर्फ स्वाति सिंह का विवाह 1 मई 2021 को ग्राम नमाखेड़ा निवासी कमलेश सिंह के पुत्र मयंक के साथ किया था। स्वाति सिंह का शव मंगलवार दोपहर घर के कमरे में फाँसी से लटका मिला।सूचना पर पहुँचे मृतका के पिता बृजमोहन अपने परिवार के साथ बेटी की ससुराल पहुँचे उनका कहना है कि घटना के करीब 3 घण्टे बाद सूचना दी गयी जब नमाखेड़ा पहुँचे तो शव जमीन पर लिटाया पाया था। पिता का कहना है कि शादी के बाद से ही मेरी बेटी को उसके ससुरालीजन प्रताड़ित करते थे । भाई सुमित का कहना है कि अभी जल्दी ही जमीन नेचकर 50 हजार दिया था फिर भी ये लोग संतुष्ट नही थे।आखिर मेरी बहन को मारकर लटका दिया गया। मृतका के पिता ने पुलिस को सूचना दिया । पुलिस ने तहसीलदार की मौजूदगी में शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के 2 छोटे पुत्र भी है थाना अध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपरान्त ही मौत के कारणों का सही पता चला पायेगा । रिपोर्ट बाद विधिक कार्यवाही की जाएगी

कुवैत से लौटे युवक की आंखों में भरी दहशत

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील क्षेत्र में कुवैत से लौटे छाछी राई खेडा निवासी संजय पुत्र बिंदादीन की आंखों देखी दास्तान सुन मन सिहर जाता है।ईराक इजरायल युद्ध के असर से काम धंधे बंद होने की वजह से उनको वापस लौटना पड़ा। संजय कुवैत के शाब अल बाहरी में लॉन्ड्री का काम करते है । उन्होंने बताया मिसाइलों के धमाकों की आवाज कान को सुन्न कर देती थी। तबाही का मंजर चारो तरफ फैला था। हर समय उन्हें डर व मौत का खौफ सोने नही दे रहा था। कुवैत के अलहमदी में लगी तेल रिफायनरी में मिसाइल के गिरने से भीषण आग लग गयी थी। यही नही उनको वापस आने के लिए कुवैत व सऊदी अरब के बॉर्डर पर लगभग 12 घण्टे का लंबा सफर बस से करना पड़ा। अलजजीरा से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में उन्हें टिकट के लिए 250 दीनार लगभग 75 हजार रुपये से ज्यादा खर्च करने पड़े। उनके साथ तीन अन्य साथी भी वापस लौट आये है। बारासगवर क्षेत्र के टेढा गाँव के रहने वाले प्रदीप व शिवकिशोर जबकि बीघापुर क्षेत्र के गाँव महाई से हिमांशू भी उस खौफनाक मंजर को देख वापस लौट आये है।

भाजपा की मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा पूनम पांडे ने दिया इस्तीफा

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। विधानसभा भगवंत नगर के गांव रौतापुर की निवासी पूनम पांडे को पार्टी द्वारा पांच वर्ष पूर्व धानीखेड़ा मंडल अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया था तब से पूनम पांडे ने पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा और लगन के साथ सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करती रही स्वयं एक ग्रहणी होने के बावजूद भी इन्होंने पार्टी के लिए एक कर्मठ योद्धा की तरह अपने को समर्पित कर रखा था जिनके साथ में बहुत सारी महिला कार्यकर्ता भी कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी के साथ बराबर डटी रही पर कुछ दिनों से पार्टी द्वारा महिला कार्यकताओं की उपेक्षा की जा रही थी जिससे पूनम पांडे आहत हुई और उन्होंने यह फैसला लिया कि अब पार्टी से इस्तीफा दे देना ही उचित रहेगा और आखिरकार मंगलवार को इस्तीफा दे ही दिया इसके संबंध में जब जनता से बात की गई तो जनता का यही कहना था कि पार्टी ने एक कर्मठ कार्यकर्ता को खो दिया जिससे पार्टी बहुत बड़ी क्षति हुई है।

ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने से अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों के चलते युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद आजकल अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। यहां ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। पाक के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। उधर, जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

> **इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया।**

वस्तुतः इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फ़िलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फ़िलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया। चालीस दिनों के विध्वंसक युद्ध के तत्पश्चात केवल पंद्रह दिनों के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य युद्ध विराम समझौता अंजाम दिया गया। युद्ध विराम समझौते पर किए गए हस्ताक्षरों की स्याही अभी सूखी नहीं है कि युद्ध विराम समझौते के कगार पर जंग खड़ी है। समझौते के अगले दिन इजराइल द्वारा लेबनान की हिज़्बुल्ला तंजीम के ठिकानों पर जबरदस्त सैन्य आक्रमण अंजाम दिए। परिणामस्वरूप लेबनान की राजधानी बेरूत तथा लेबनान के अन्य कई नगरों में जबरदस्त तौर पर विध्वंसकारी नजारें देखने मे आए।

युद्ध विराम समझौता

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते के तहत लेबनान और इजराइल के मध्य युद्ध विराम कहीं शामिल नहीं था। अतः इजराइल द्वारा लेबनान पर अंजाम दिया गया आक्रमण वस्तुतः युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करार नहीं दिया जा सकता। इजराइल द्वारा लेबनान के विरुद्ध अंजाम दी गई सैन्य आक्रमण का ईरान द्वारा अत्यंत कड़ा विरोध किया गया और इसे युद्ध विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बयान पश्चात तकरीबन ऐसा ही बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते में लेबनान युद्ध विराम का कोई उल्लेख ही नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भूमिका का युद्ध विराम समझौते तक ले जाने में अमेरिका और ईरान ने उल्लेख किया। शरीफ ने फरमाया था कि लेबनान सहित सभी युद्ध स्थलों पर युद्ध विराम लागू करने के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य सहमति हो गई और युद्ध विराम तत्काल तौर पर लागू कर दिया जाएगा।

चीन और पाक की भूमिका

8 अप्रैल की सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान दुनिया के सामने आया कि ईरान और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक बातचीत में पाक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर शामिल रहे और साथ ही चीन की भी बड़ी भूमिका इस युद्ध विराम समझौता संपन्न कराने के विषय में प्रकाश में आई है। चीन द्वारा ईरान को युद्ध विराम करने के लिए राजी किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने एक्स पोस्ट पर साझा किया कि ईरान पर अमेरिकी हमले बंद कर दिए हैं और हमारी शक्तिशाली सेनाएं भी अपने सैन्य अभियान को तत्काल रोक देंगी। शहबाज शरीफ और डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम ऐलानों के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बयान जारी किया गया कि लेबनान को दो सप्ताह के युद्धविराम के तहत शामिल नहीं किया गया। ईरान द्वारा लेबनान पर अंजाम दिए गए इजराइली आक्रमण की कड़ी निंदा की गई। साथ ही पहले तो अमेरिका के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित कूटनीति वार्ता का बॉयकॉट करने की घोषणा की गई।

बिगड़ते दिख रहे हालात

बाद में सोच-विचार के पश्चात ईरान हुकूमत ने अपना प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद भेजने का फैसला लिया। अमेरिकन सरकार के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद वार्ता में पेंटागन के सुरक्षा विशषज्ञों के साथ शिरकत कर रहे हैं। ईरान की तरफ से इस्लामाबाद वार्ता में प्रतिनिधि मंडल की कयादत ईरान की संसद के अध्यक्ष मौहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं और उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं।

ईरान का कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल अपने साथ मीनाब स्कूल सैन्य स्ट्राइक में मारे गए बच्चों और पीड़ितों की तस्वीरें और खून से लथपथ उनका स्कूल का सामान लेकर भी गया है। ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने के कारण, अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों द्वारा युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अगराची फरमाते हैं कि अमेरिका और ईरान के मध्य युद्ध विराम की शर्तें एकदम स्पष्ट और असंदिग्ध हैं। अमेरिका को युद्ध विराम अथवा इजराइल के माध्यम से जारी जंग में किसी एक को चुनना ही होगा। दूसरी तरफ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ऐलान कर रहे हैं कि आवश्यकता पड़ने पर इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष को फिर शुरू कर दिया जाएगा। नेतन्याहू के अल्फाज हैं कि हमारी उंगलियां अभी बंदूक के ट्रिगर पर रखी हुई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मक्रों ने इजराइल के आक्रमणकारी तेवरों की निंदा की है।

लेबनान व फ्रांस की एकजुटता

लेबनान के साथ फ्रांस की एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने फरमाया कि सैन्य हमले यकीनन युद्ध विराम के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। अमेरिका को इजराइल का अंध समर्थन करते रहने की अपनी रणनीति से बाहर आकर फिलिस्तीन समस्या का समाधान निकालना ही होगा, अन्यथा ये संघर्ष भविष्य में भी चलते रहेंगे। इन समस्त सैन्य संघर्षों के कारणवश मध्य पूर्व के खाड़ी देश में विनाशकारी खतरा बरकरार बना रहेगा। फिलिस्तीन को जब तक एक खुदमुख़्तार राष्ट्र का दर्जा हासिल नहीं हो जाता और फिलिस्तीनियों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदान की गई अपने हिस्से की सारी जमीन नहीं मिल जाती, तब तक न जाने कितने बेगुनाह नागरिकों कर रक्त धरा पर बहता ही रहेगा।

जंग लंबी चली तो बदल जाएगा दुनिया का भविष्य

समीकरण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत इन दिनों पूरी दुनिया की नजरों में है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रही यह वार्ता खाड़ी युद्ध को खत्म करने का आखिरी मौका प्रतीत हो रही है। फरवरी 2026 में शुरू हुए इस संघर्ष ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को प्रभावित कर दिया, हजारों लोगों की जान ले ली और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। दो हफ्ते का सीजफायर फिलहाल टिका हुआ है, लेकिन अगर इस्लामाबाद में बातचीत नाकाम रही और जंग लंबी खिंच गई तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और आम लोगों की जिंदगी बुरी तरह हिल जाएगी। सबसे बड़ा झटका ऊर्जा बाजार को लगेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का करीब 20-25 प्रतिशत तेल गुजरता है। अगर ईरान ने फिर से इसे ब्लॉक किया या हमले बढ़ाए तो रोजाना 15-20 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई रुक सकती है। अभी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुकी हैं। लंबी जंग की स्थिति में ये 130 से 170 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे अब तक का सबसे गंभीर सप्लाई शॉक बताया है। गैस की कीमतें भी दोगुनी हो जाएंगी। नतीजा साफ है कि हर जगह महंगाई का कहर। पेट्रोल, डीजल, ट्रांसपोर्ट, खाने-पीने की चीजें-सब कुछ महंगा हो जाएगा। विकसित देशों में महंगाई की आशंका बढ़ जाएगी, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं जैसे भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी क्योंकि ये तेल के बड़े आयातक हैं। ग्लोबल इकोनॉमी पर असर और भी गहरा होगा। अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह चोट खाएगी। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत में बुनियादी ढांचे पर हमले हो चुके हैं।

> **अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा।**

संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, अरब देशों की जीडीपी पर 120 से 194 बिलियन डॉलर का भारी असर पड़ सकता है। मानवीय संकट भी विकराल रूप ले लेगा। अभी तक हजारों मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। शरणार्थी संकट यूरोप और एशिया तक फैल सकता है। स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चरमरा जाएंगी। इसके साथ ही पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि युद्ध में तेल सुविधाओं और रिफाइनरियों पर हमले से प्रदूषण बढ़ेगा। वैश्विक राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अमेरिका-ईरान जंग से रूस और चीन को अप्रत्यक्ष फायदा हो सकता है। रूस यूक्रेन मोर्चे पर अपना ध्यान बंटा सकेगा, जबकि चीन सस्ते दामों पर तेल खरीदकर अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करेगा। खाड़ी देश अमेरिका पर अपना भरोसा खो सकते हैं। नाटो गठबंधन में दरारें और गहरी होंगी। मध्य पूर्व मे नए गठजोड़ बन सकते हैं। इजराइल-लेबनान फ्रंट एक बार फिर गर्म हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ेगा। हमारा लगभग 40 प्रतिशत तेल और 80 प्रतिशत गैस मध्य पूर्व से आता है। तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल आसमान छू जाएगा, रुपया और कमजोर होगा तथा मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीय मजदूर पहले ही वाप [illegible] बल्कि खाद्य सुरक्षा [illegible] प्रभावित होगी, जिस [illegible] और विकासशील दुनिया में आर्थिक अस्थिरता फैल जाएगी। अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत कामयाब हो गई तो पूरी दुनिया को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन अगर यह फेल हो गई तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दे दी है – फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। ईरान भी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। दोनों तरफ से सख्त रुख अपनाया जा रहा है। ऐसे में सारी दुनिया को दुआ करनी चाहिए कि वार्ता सफल रहे और खाड़ी क्षेत्र में शांति स्थापित हो। अन्यथा आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है।

इस्लामाबाद वार्ता में हल निकलना मुश्किल

संशय

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनी हुई है। यहां प्रस्तावित ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मनी जा रही है। शहर को जिस तरह से सुरक्षा घेरे में लिया गया है, वह इस बात का संकेत देता है कि इस बैठक से जुड़े जोखिम कितने गंभीर हैं। यह सब केवल एक बैठक के लिए नहीं, बल्कि उस संभावित खतरे के कारण है जो इसमें शामिल नेताओं पर मंडरा रहा है। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है। वेंस को एक संतुलित और व्यावहारिक नेता माना जाता है, जिन्होंने इस पूरे संकट के दौरान अपेक्षाकृत शांत और संयमित रुख अपनाया है। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे प्रभावशाली लोग भी मौजूद हैं, जो पहले भी मध्य पूर्व की जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभा चुके हैं। दूसरी ओर, ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जो अपने अनुभव और कूटनीतिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ मोहम्मद बाघेर गालिबाफ जैसे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, जिनकी भूमिका केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य और सुरक्षा मामलों में भी महत्वपूर्ण रही है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि इजराइल को इस वार्ता से पूरी तरह अलग रखा गया है। यही कारण है कि इजराइल इस समझौते को लेकर न केवल असहज है, बल्कि खुलकर विरोध भी कर रहा है। इजराइल की चिंता यह है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता है, तो इससे ईरान को क्षेत्र में और अधिक ताकत मिल सकती है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है, और वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की कूटनीतिक या सैन्य राहत मिले। इसके अलावा, लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है, और वह इस संघर्ष को बीच में रोकने के पक्ष में नहीं दिखता। इसी कारण से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख काफी आक्रामक नजर आ रहा है। उन्होंने कई बार यह संकेत दिया है कि वे किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे, जो इजराइल की सुरक्षा के हितों के खिलाफ हो। हाल ही में लेबनान में हुए हमले इस बात का प्रमाण हैं कि इजराइल अपनी रणनीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है, क्योंकि उसे एक ओर अपने सहयोगी इजराइल के हितों का ध्यान रखना है और दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव कम करने की कोशिश करनी है। पाकिस्तान इस वार्ता के जरिए खुद को एक प्रभावशाली मध्यस्थ के रूप में स्थापित करना चाहता है। लंबे समय से कूटनीतिक स्तर पर हाशिए पर रहे पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा अवसर है। यदि यह वार्ता सफल होती है, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी और उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाएगा। यदि यह प्रयास विफल होता है, तो इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है और पाकिस्तान की साख को नुकसान पहुंच सकता है। शहर में लागू लगभग बंद जैसे हालात इस बात का संकेत हैं कि सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। आम नागरिकों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और केवल सुरक्षा बलों को ही प्रमुख क्षेत्रों में आने-जाने की अनुमति है। यह स्थिति एक तरह से यह भी दर्शाती है कि यह बैठक केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। अंततः कहा जा सकता है कि इस्लामाबाद में होने वाली यह वार्ता केवल एक समझौते की कोशिश नहीं, बल्कि कई देशों के हितों, आशंकाओं और रणनीतियों का संगम है। जहां एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इजराइल को नाराजगी और संभावित हस्तक्षेप इस प्रक्रिया को और जटिल बना रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक कदम साबित होती है या फिर एक और असफल प्रयास बनकर रह जाती है।

> *इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की राहत मिले। हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है।*

वह एक रात!

करवट

कुमार प्रशांत

एक ही रात में-7 अप्रैल 2026 - हजारों साल पुरानी व समृद्ध ईरानी सभ्यता के अस्तित्त्व को धरती से मिटा देने की मनोरोगी अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद क्या हुआ? अखबारी दुनिया के लोग कहेंगे कि उसके बाद 15 दिनों का युद्धविराम हुआ।

मैं कहूंगा कि नहीं, यह तो हुआ ही; और वह भी हुआ जो संभवतः मानवीय सभ्यता के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। ट्रंप की कयामत की रात की घोषणा के बाद न ईरान के सत्ताधारियों ने, न ईरान की बलिदानी जनता ने किसी के आगे गुहार लगाई, न हाथ फैलाया, न माफी मांगी। स्त्री-पुरुष-बच्चिया-बच्चे कोई कहीं रोता-कलपता भी नहीं दिखा. पिछले 40 दिनों से वे, खंडहर होते जा रहे अपने देश को सीने से लगाए, आसमान से बरसते विनाश का सामना कर रहे थे, आक्रमणकारी ट्रंप, गैरतहीन,धूर्त नेतन्याहू और इनके सफरमैना खाड़ी देशों को लगातार हथियारों से जवाब भी दे रहे थे, हालांकि वे जानते थे कि वे अब ज्यादा दिनों तक जवाब देने की हालत मे नहीं हैं।

लेकिन 40 दिनों बाद आज, 7 अप्रैल को लड़ाई बदल गई थी। वे ही सब युद्ध की नई कुंडली लिखने सड़कों पर निकल आए थे, जो युद्ध जारी रख सकने की हालत में नहीं बचे थे ईरान के जिन आण्विक संयंत्रों को, पुलों-राजमार्गों, नागरिक सुविधा के दूसरे तंत्रों, पूजा-स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों को बमों से ध्वस्त कर देने की घोषणा ट्रंप ने की थी, हमने देखा कि अपने-अपने ध्वस्त घरों से निकल-निकल कर ईरानी नागरिक इस सभी स्थलों को घेर कर खड़े होते गए कोई शोर नहीं, कोई नारेबाजी नहीं; सब एकदम शांत थे. लेकिन हर जगह लोग-ही-लोग थे कोई कह तो नहीं रहा था लेकिन जैसे कहीं से, कोई आसमानी घोषणा कर रहा था : हम यहां खुले में खड़े हैं, चलाएं ट्रंप उनके पास जो भी है. ईरान के मशहूर संगीतकार अली घामसारी ने एक संयंत्र के सामने वाली सड़क पर दरी बिछाई और अपना वाद्य बजाने लगे. ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांत पर दृढ़ आवाज में बताया : मरने की तैयारी रखनेवालों की सूची में अब तक 1.40 करोड़ ईरानी नागरिकों ने अपना नाम दर्ज करवाया है और उसमें पहला नाम मेरा है। यह ईरान के लिए कयामत की रात थी जिसे उसने कमाल की रात में बदल दिया था।

किसी ने देखा या नहीं देखा पता नहीं लेकिन इन बलिदानी ईरानियों की किसी कतार में महात्मा गांधी भी खड़े थे ! दुनिया के जिस भी कोने में लोग वीरता से बलिदान देने निकलते हैं, यह 'अधनंगा फकीर' वहां अपनी हाजिरी लगाता ही है। जयप्रकाश ने कभी हंगरी में, कभी

तिब्बत में, कभी बांग्लादेश में तो कभी चेकोस्लोवाकिया में इस गांधी को पहचाना था और उसके साथ खड़े हुए थे।

गांधी ने कहा था : विवश कायरता से कहीं भला होता है निडर बलिदान ! गांधी की अहिंसा का उपहास करने वाले किताबी बुद्धिजीवी व हिंदुत्व की अहंकारी भाष में अपनी कायरता छिपाते रहने वाले कहां पहचान सकेंगे कि गांधी ने जिस चरम साहस की बात कही थी, ईरानी जनता में वह साहस 7 अप्रैल 2026 को मूर्तिमान हुआ था। यही अमरीका था और उसके ही परमाणु बम थे कि जिनसे हिरोशिमा-नागासाकी का अकल्पनीय विनाश हो चुका था. तब किसी ने पूछा था गांधी से : आप परमाणु बम का अहिंसा से कैसे मुकाबला करेंगे? पूछने वाले ने सोचा था कि गांधी निरुत्तर रह जाएंगे लेकिन गांधी ने जवाब टाला नहीं, वे हिचके भी नहीं। कहा : विनाश का मुकाबला अकंप वीरता से ही किया जा सकता है. उन्होंने बात साफ की : जब बम ले कर आसमान में विमान आएगा तब मैं किसी खाई-खंदक मे छुपूंगा नहीं, बल्कि खुले मैदान में निकल आऊंगा और अपलक उस विमान को देखता रहूंगा जो संपूर्ण विनाश ले कर आया है. मैं जानता हूं कि उस विमान का पायलट उस ऊंचाई से मुझे देख नहीं सकेगा लेकिन मैं तो उसे अपलक देख सकूंगा. बम उन सबको मार जाएगा जो बचने की कोशिश करेंगे; लेकिन वह उन सबको मार ही नहीं सकेगा जो मरने का भय छोड़ कर, उसकी आंखों-में-आंखें डाले सकेंगे ! फिल्मी डायलॉग है : जो डर गया वो मर गया; गांधी कहते हैं : करो या मरो !

कायर सवाल पूछते ही रहते थे : ऐसा हो सकता है क्या ? सामने से आती मौत की तरफ कैसे देखता रह सकता है कोई ? गांधी कैसी अविश्वसनीय-अव्यवहारिक बात कह रहे हैं ! 7 अप्रैल 2026 के बाद कोई ऐसा नहीं कह सकेगा. ईरान की बहादुर जनता ने विनाश के समक्ष आत्मबल का सर्जन करने की गांधी की कल्पना के समर्थन में अपना वोट दे दिया है जो कल तक अहिंसक कल्पना थी, आज हकीकत बन गई है. गांधी कहते हैं : छिप कर भी मारे जाओगे लेकिन उस मौत में से असहायता व कायरता निकलेगी; मौत की आंखों में आंखें डाल कर मरोगे तो उसमें से चरम वीरता निकलेगी जो मारने वालों को असहाय व व्यर्थ बना देगी.

युद्ध, हिंसा,विनाश और शत्रुता के खिलाफ जो सदा ही अपनी आवाज बुलंद करता रहा; मानव-मन में गहरी पैठी हिंसा व प्रतिशोध की भावना की जड़ें अहर्निश काटता रहा; जो इन सबके विरुद्ध आज तक मनुष्य द्वारा उठाई सबसे अटूट, सशक्त व सक्रिय आवाज है, उस गांधी के लिए युद्ध, हिंसा, प्रतिशोध अजनबी नहीं थे. वह युद्ध के मोर्चे पर फौजी अधिकारी बन कर उतरा था; दो-दो विश्वयुद्ध की विभीषिका उसने देखी व झेली थी; उसने अपने मुल्क की नवजात आजादी पर पड़ोसी का फौजी हमला देखा था और उससे युद्ध करने वाली फौज को आशीर्वाद भी दिया था; अपनी हत्या के पांच प्रयासों के बावजूद बगैर किसी कड़वाहट के उसने मानवीय आजादी व गरिमा का अपना अभियान जारी रखा था; जैसा सांप्रदायिक उन्माद संसार ने पहले देखा नहीं था वैसे सांप्रदायिक उन्माद में पांव-पांव लगातार भटकता रहा था वह; सांप्रदायिक हिंसा के कई थपेड़े उसने झेले थे और फिर उसी सांप्रदायिक आग में जल कर वह भस्म हुआ था. तो हम कह सकते हैं कि गांधी ने युद्ध के खिलाफ तमाम उम्र युद्ध ही लड़ा ! आज ईरान ने कहा है : हर युद्ध के अंत में बचते हैं गांधी ही, क्योंकि वे हिंसा, घृणा व प्रतिशोध के सामने कभी सर नहीं झुकाते हैं।

बाबा साहब आप अवाम के हीरो हैं!

जिरहनामा

कनक तिवारी

संविधान को लेकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के दो तरह के चेहरे दिखाए जाते हैं। संविधान निर्माण के सिलसिले में कुछ लोगों ने बेहूदी टिप्पणियां भी की हैं कि आंबेडकर न तो संविधान निर्माता हैं, न संविधान नियामक हैं, न संविधान के अधिकृत प्रवक्ता। उन्होंने केवल संविधान सभा के सदस्यों और समितियों से मिली तरह तरह की रिपोर्टों को एकजाई कर प्रारूप समिति के चेयरमैन की हैसियत में संविधान सभा की बहस के लिए पेश भर कर दिया। बाकी काम तो संविधान सभा के सदस्यों ने आपसी बहस मुबाहिसे के जरिए किया। कभी भाजपा में रहे मशहूर पत्रकार अरुण शौरी ने तो 'वर्शिपिंग फॉल्स गॉड्स' नाम की किताब भी लिख दी। पता नहीं वह किताब क्यों लिखी? उसमें बहुत गलतबयानी है। आंबेडकर के खिलाफ जबरिया कई बातें खोजी गई हैं। अगर नहीं करते तो क्या बिगड़ जाता?

दूसरी तरफ आंबेडकर के पक्ष में जातीय समरसता के कारण तथा अन्य प्रताड़ित लोग उनकी देवता की तरह पूजा करते हैं। वे संविधान निर्माण के संदर्भ में आंबेडकर की भूमिका को आलोचनात्मक आधार पर सुनना समझना नहीं चाहते। उनका यहां तक कहना होता है कि संविधान केवल बाबा साहब की अकेली और मौलिक देन है। बाकी संविधान निर्माताओं के संबंध में उनकी कोई सार्थक टिप्पणी होती भी नहीं। वे बाबा साहब के जन्मदिन और परिनिर्वाण दिवस की बड़ी बहसों में ऐसे लोगों को नहीं बुलाते जो उनकी निगाह में सवर्ण हैं और इसलिए बाबा साहब का मूल्यांकन करने में पैदाइशी असमर्थ हैं। यह भी अम्बेडकर पर एक तरह की एकाधिकारवादिता है। इससे आंबेडकर का यश लोकजीवन में विस्तारित कैसे होगा? ऐसे लोग उन बारीकियों को भी नहीं खोजते जो बाबा साहब की विशेषताएं हैं।

आंबेडकर को लेकर एक बात बहुत साफ है। आंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाकर अहसान नहीं किया गया। वे अजादी की लड़ाई के योद्धा या किसी पार्टी के सदस्य नहीं थे। उनकी बौद्धिक प्रतिभा का कोई सानी नही था। इसलिए आंबेडकर को संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाना किसी व्यक्ति की इच्छा नहीं, इतिहास की अनिवार्यता थी। विनम्र जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि यदि बाबा साहब प्रारूप समिति के अध्यक्ष नही होते। तो संविधान उस तरह लगभग 300 सदस्यों की बहस को अपनी प्रतिभा से समेटते तीन बरस मे लिखा नहीं जा सकता था। इतिहास का सच है कि आंबेडकर का विकल्प नहीं था। संविधान के एक एक अनुच्छेद पर बाबा साहब की तीखी नजर रहती थी। गफ़लत में नहीं होते थे। न अनदेखी करते थे। जानना जरूरी है कि उनसे सहयोग करने कानूनी विद्वानों की आलिम फाजलि समिति भी थी जो उनसे सहकार करती थी। इसका अहसान भी

उन्होंने माना है।

आंबेडकर की सबसे बड़ी खसूसियत का ब्यौरा लोग बताते तक नहीं। वे अपने तईं कई तरह की संवैधानिक व्याख्याओं में विश्वास करते थे। उसका ब्यौरा उन्होंने लेखी में और भाषणों में भी दिया है। जब संविधान सभा का बहुमत उनसे सहमत नहीं होता था, चाहे उसके लिए कोई भी वजह रही हो, तब आंबेडकर की उदारता थी कि उन्होंने निजी रूप में कहे गए अपने विचारों को प्रारूप समिति के चेयरमैन के भाषणों के नीचे दफ्न कर दिया। यदि आंबेडकर ने निजी राय को बहुमत ने खारिज करके दाखिल दफ्तर नहीं किया होता, तो हिन्दुस्तान के आईन की हालत शायद बेहतर होती। मसलन जब मूल अधिकारों को लेकर सरकार पर बंदिश लगनी थी कि मूल अधिकार तब ही प्रभावित होंगे जब 'ड्यू प्रोसेस आफ लॉ' की परीक्षा में खरे उतरें। तब संविधान सलाहकार बी० एन० राव ने भांजी मारी कि अमेरिका के सबसे प्रभावशाली जज फेलिक्स फ्रैंकफर्टर ने सलाह दी है कि जनता के मूल अधिकारों पर आंच की जांच बड़ी अदालतें 'ड्यू प्रोसेस ऑफ लॉ' के तहत करेंगी, तो मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। भरत अमेरिका की तरह अनुभवसिद्ध लोकतंत्र नहीं है, जहां वर्षों से संविधान की हुकूमत चल रही है। तब एक नया लोकतंत्र हुकूमत कैसे करेगा? इसलिए उसे कहें **procedure established by law**. बहुत दुख के साथ अम्बेडकर ने कहा था मैं मानता हूं कि ऐसा मंत्रिमंडल आ सकता है जो जनता के खिलाफ गैरमुनासिब फैसला करे। दूसरी ओर काले कोट में लकदक पांच छह जज बंद कमरे में बैठकर सरकारी फैसला बदल दें। एक तरफ कुआं है। दूसरी तरफ खाई है। मंत्रिपरिषद और सुप्रीम कोर्ट के संभावित विवाद को लेकर आंबेडकर ने कहा था आप लोग खुद फैसला करिए। मैं कुछ नहीं कह सकता।

हिन्दू मुस्लिम के सवाल पर अम्बेडकर दूसरों से ज्यादा वैज्ञानिक और स्पष्टवादी थे। उन्होंने साफ कहा बहुसंख्यक लोग सोचें कि अल्पसंख्यक उन पर बोझ हैं या इतिहास की अतिरिक्तता या दुर्घटना हैं। तो अल्पसंख्यक भयंकर विस्फोटक के बराबर होते हैं। अगर फटे तो सारे राजकीय ढांचे को तहस नहस कर सकते हैं। यूरोप का इतिहास इसका उदाहरण है। यह नजरिया बदलना पड़ेगा। अल्पसंख्यक भी सोचें हर समय पूरी तौर पर सांस्कृतिक और साम्प्रतिक तौर पर अलग थलग ही रहेंगे। तो वह भी एक गलत नजरिया है।

यक्ष प्रश्न है बाबा साहब ने तो हमवतनों को बहुत कुछ दिया। बाद की भारतीय पीढ़ी ने बाबा साहब की कितनी बात मानी? दलितों के मसीहा ने दलितों के अधिकारों के लिए भीख नहीं मांगी। संघर्ष करना सिखाया। उनके नाम से अपनी राजनीतिक दूकान सजाने वाले तरह तरह के अनुयायी दलित वर्गों को किस तरह बांट चुके हैं। दलित महिलाओं का सड़कों पर बलात्कार और उन पर अत्याचार किया जा रहा है। योग्यता के बावजूद भी उन्हें बड़े पद नहीं मिलते। न्यायपालिका की नौकरियों में दलितों का कितना स्थान है? क्या हिन्दुस्तान में जातिवाद खत्म हो रहा है? क्या जातीय जनगणना ही उनकी तरफ जाने का इकलौता रास्ता है? नागपुर में बाबा साहब हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म में चले गए थे। आंबेडकर की शोहरत उपलों की दीवार नहीं है, जिसे एक झटके से गिरा दिया जाए।

बाबा साहब ने सिखाया संविधान वह किताब है जो हर हिन्दुस्तानी के हाथ में होनी चाहिए। देश में 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को हर माह पांच किलो राशन सरकार से मुफ्त में दिया जा रहा है। उससे लोकतंत्र चल रहा है। सरकार चल रही है। तो संविधान की पोथी हर एक हाथ में क्यों नहीं हो सकती जिससे हर मनुष्य में अपनी जम्हूरियत का गौरव तो हो?

संक्षेप

तालाब में जहर, सैकड़ों मछलियां मरीं

मत्स्य पालक को 2 लाख का नुकसान, पुलिस ने जांच शुरू की

अमेठी, जंगलरामनगर क्षेत्र में एक तालाब में विषैला पदार्थ डाले जाने से सैकड़ों मछलियों की मौत हो गई। इस घटना से मत्स्य पालक वीरेंद्र कुमार वर्मा को लगभग दो लाख रुपये का भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।मिस्त्री का पुरवा मजरे जंगलरामनगर निवासी वीरेंद्र कुमार वर्मा को ग्राम पंचायत के इस तालाब का मत्स्य पालन के लिए पट्टा मिला हुआ है। वह लंबे समय से तालाब में मछली पालन का कार्य कर रहे थे। उनकी मछलियां अब बिक्री के लिए तैयार थीं, जिनमें 500 ग्राम से लेकर दो किलोग्राम तक की मछलियां शामिल थीं। 9 अप्रैल को जब वीरेंद्र कुमार वर्मा तालाब पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि सैकड़ों मछलियां मरकर पानी में तैर रही थीं। अज्ञात लोगों द्वारा तालाब में विषैला पदार्थ डाल दिया गया था। उन्होंने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। पीड़ित ने बताया कि बची हुई मछलियों को बचाने के लिए उन्होंने दो दिनों तक दवा और अन्य उपाय किए, जिसके कारण तहरीर देने में कुछ विलंब हुआ। इस घटना में उन्हें लगभग दो लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। कोतवाली अमेठी पुलिस ने वीरेंद्र कुमार वर्मा की तहरीर के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अमेठी कोतवाली प्रभारी रवि सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने पत्थरबाजी करने वाले 9 लोगों को किया गिरफ्तार

सरकारी जमीन पर अम्बेडकर प्रतिमा लगाने के दौरान हुआ था बवाल

अमेठी , सरकारी जमीन पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के दौरान हुए बवाल के बाद पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर पुलिसकर्मियों और राजस्व टीम पर पत्थरबाजी करने का आरोप है। यह घटना शनिवार दोपहर को हुई। यह पूरा मामला रामगंज थाना क्षेत्र के नरहरपुर गांव का है। शनिवार दोपहर को ग्रामीणों ने गांव की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के उद्देश्य से चबूतरा बनाकर अंबेडकर प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को रोकने की कोशिश की। हालांकि, ग्रामीण आक्रोशित हो गए। इसके बाद एसडीएम सहित कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर बुलाई गई। टीम ने जेसीबी की मदद से चबूतरे को ध्वस्त कर दिया और अंबेडकर प्रतिमा को अपनी सुरक्षा में लेकर सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया। इसी दौरान, महिलाओं और पुरुषों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया विजयशंकर यादव पुत्र दयाराम, विजय कुमार उर्फ मुन्ना पुत्र राजाराम, अखिलेश कुमार कोरी पुत्र सुरेश कुमार, सूरज कुमार पुत्र कल्लूराम, सूरज कुमार पुत्र कमलेश कुमार, जगन्नाथ पुत्र रामनाथ और उमेश नरहरपुर थाना रामगंज शामिल हैं। पुलिस वीडियो फुटेज के आधार पर घटना में शामिल अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।

जिले में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

बहराइच। जिले में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। गांव से लेकर शहर तक शोभायात्रा व जुलूस निकालकर लोगों ने बाबा साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आंबेडकर जयंती मिहींपुरवा मोतीपुर नानपारा रुपईडीहा रिसिया मटेरा के साथ ही अनेक स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम सामाजिक राजनीतिक तथा प्रशासनिक क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसी क्रम में जिले में स्थित गेंद घर में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयन्ती के अवसर पर राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास गेंद घर बहराइच में आयोजित कार्यक्रम में एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए संविधान की मूल भावना तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से छात्राओं को अवगत कराया। इसी प्रकार राजकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास महाराज सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर उन्होंने बाबा साहब के के त्याग, बलिदान, संघर्ष और परिश्रम से छात्रावास में आवासित 48 छात्रों को परिचय कराते हुए सभी छात्राओं का आहवान किया बाबा जी जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करें। इस अवसर पर सदर विधायक श्रीमती जायसवाल ने चित्र प्रदर्शनी का फीता काटकर कर शुभारम्भ किया तथा पुष्प वर्षा करते हुए छात्राओं की रैली को रवाना किया।

महिला महाविद्यालय स्थित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुधा टेकरीवाल ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षक किशन लाल, सहायक प्रबंधक देवव्रत शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की जिला संयोजक सोनी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे, वहीं भारत रत्न और संविधान के निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को मटेरा सहित क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान ग्राम सभा अगय्या में पर डॉ आंबेडकर की मूर्ति, पर पर भाजपा कार्यकताओं, ग्रामीणों ग्राम प्रधानों, समाजसेवियों, पत्रकारगणों और सामाजिक संस्थानों द्वारा माल्यार्पण किया और उनके व्यक्तित्व और कार्यों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कैसरगंज तहसील में पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

अधिकारियों व कर्मचारियों ने बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का लिया संकल्प

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। तहसील सभागार कैसरगंज में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही धूमधाम और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसके बाद उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह, तहसीलदार मीना गौड़ नायब तहसीलदार सचिन श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार जरवल सुरेंद्र कुमार वर्मा सहित तहसील के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने एकजुट होकर बाबा साहेब के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उप जिलाधिकारी कैसरगंज ने अपने संबोधन में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन संघर्ष, उनके सामाजिक सुधारों और संविधान निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए जो कार्य किए, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। शिक्षा, समानता और अधिकारों के लिए उनका संघर्ष हर नागरिक के लिए प्रेरणा का स्रोत है। तहसीलदार मीना गौड़ ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प और शिक्षा के बल पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने कार्यों में ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखें। कार्यक्रम के दौरान अन्य अधिकारियों ने भी बाबा साहेब के आदर्शों, उनके सिद्धांतों और समाज में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किए। उपस्थित सभी लोगों ने संविधान के मूल्यों को अपनाने, समाज में समानता और भाईचारे को बढ़ावा देने तथा बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों द्वारा बाबा साहेब के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल अत्यंत प्रेरणादायक और उत्साहपूर्ण बना रहा।

रुपईडीहा में धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

डॉ अम्बेडकर का पूरा जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है: चेयरमैन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। भारत रत्न और संविधान के निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को नगर पंचायत रूपईडीहा सहित क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर डॉ आंबेडकर की मूर्तियों पर स्थानीय ग्राम प्रधानों, समाजसेवियों, पत्रकारगणों और सामाजिक संस्थानों द्वारा माल्यार्पण किया और उन्हें उनके व्यक्तित्व और कार्यों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।वही चेयरमेन रूपईडीहा डॉ उमा शंकर वैश्य नें कार्यालय में डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश हिंदुस्तान का संविधान बनाने का गौरव डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को प्राप्त है। प्रथम कानून मंत्री डॉक्टर अंबेडकर जैसी शख्सियत सदियों में कोई एक पैदा होती है उनका पूरा जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायक है।अभिषेक पाण्डेय, अर्जुन कुमार, ध्रुवराज वर्मा, मनोज प्रजापति, रतन अग्रवाल, प्रतिभा सिंह,तारा बाल्मीकि, अंतिम बाल्मीकि, अजय विश्वास उपस्थित रहे।

एसएसबी ने एक नेपाली नाबालिग लड़की को किया रेस्क्यू, एक तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (रएइ), बहराइच को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कमांडेंट गिरीश चंद पाण्डेय के कुशल निर्देशन में बीओपी रुपईडीहा की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट टीम ने एक नेपाली नाबालिग लड़की को सकुशल रेस्क्यू करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार चकिया मोड़ बस स्टैंड पर निगरानी के दौरान टीम ने एक संदिग्ध युवक और एक नाबालिग लड़की को रोककर पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में युवक ने लड़की को अपनी पत्नी बताया, लेकिन कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

इसके बाद दोनों को बीओपी रुपईडीहा लाकर टीम एवं एनजीओ प्रतिनिधियों की मौजूदगी में गहन पूछताछ की गई, जिसमें दोनों के बयानों में विरोधाभास पाया गया। पूछताछ के दौरान लड़की ने अपनी पहचान पुष्पा खात्री (17 वर्ष), निवासी जिला रुकुम, कर्णाली प्रदेश, नेपाल के रूप में बताई और कहा कि वह बिना परिजनों को बताए घर से निकली थी। लड़की की माता से संपर्क करने पर उन्होंने युवक को पहचानने से इंकार कर दिया और तत्काल कार्रवाई की मांग की। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी युवक ने अपना नाम दिल्ली बहादुर खड़का (22 वर्ष), निवासी जिला रुकुम, नेपाल बताया और स्वीकार किया कि वह लड़की को बहला-फुसलाकर गोवा ले जा रहा था।मामले को मानव तस्करी से जुड़ा पाए जाने पर एसएसबी टीम ने तत्परता दिखाते हुए नाबालिग को सुरक्षित रेस्क्यू किया और आरोपी को हिरासत में ले लिया। आगे की कार्रवाई में आरोपी को नेपाल पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया, जबकि पीड़ित लड़की को नेपाल स्थित एनजीओ शांति पुनर्स्थापना गृह को नेपाल पुलिस की मौजूदगी में सौंपा गया।

कैसरगंज में व्यापारी पर हमला कर लूट, जेवरात व 50 हजार नकद लेकर फरार बदमाश

लदौर के पास गाड़ी में टक्कर मार गिराया, पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम एक व्यापारी के साथ लूट की घटना सामने आई है। कैसरगंज निवासी सुरेश कौशल शाम करीब साढ़े छह बजे गयारह सौ रेती से अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही वह ग्राम लदौर के पास पहुंचे, तभी कुछ अज्ञात बदमाशों ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे वह गिर पड़े। इसके बाद बदमाशों ने उनके ऊपर हमला कर दिया। सुरेश कौशल अपने साथ सोने-चांदी के जेवरात और करीब 50 हजार रुपये नकद लेकर चल रहे थे, जिसे बदमाश लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना कैसरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोगों ने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

जय भीम के नारों से गूंजा बाजार, सामाजिक न्याय का दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कैसरगंज विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी द्वारा भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। फिरोजपुर में विधायक आनंद यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान केक काटकर उनके महान योगदान को स्मरण किया गया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के उपरांत कैसरगंज मुख्य बाजार में विधायक आनंद यादव के नेतृत्व में रोड शो निकाला गया, जिसमें सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे। बड़ी संख्या में समर्थक, युवा और स्थानीय नागरिक इसमें शामिल हुए। ह्लजय भीमह्व के नारों से माहौल पूरी तरह उत्साह और जोश से भर गया।

इस अवसर पर विधायक आनंद यादव ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, समानता और अधिकारों की लड़ाई का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के समय में भी उनके विचार समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज में भाईचारा, समरसता तथा एकता को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में अभिषेक कुमार यादव व डॉक्टर दाताराम मौर्य व लाल विक्रम राय, राजू अहमद, विकास यादव सर्वेश यादव, गुड्डू यादव, शंकर कुमार गौतम, अमित कुमार , आशीष कुमार सहित भारी संख्या वरिष्ठ पदाधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

रंजिश में युवक को मारी गोली

जेएन मेडिकल कॉलेज में घायल हालत में भर्ती, पूर्व प्रधान के बेटों पर हमले का आरोप

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़, खैर कोतवाली क्षेत्र के गांव अंडला में देर रात पुरानी रंजिश के चलते पूर्व प्रधान के बेटों ने एक युवक पर तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली युवक के गले और हाथ में लगी है, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। आनन-फानन घायल को जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं, घटना की जानकारी एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

10 दिन पहले भी हुई थी कहासुनी

अंडला निवासी प्रमोद पुत्र रामस्वरूप और पूर्व प्रधान वीनू के बेटे सागर के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। करीब 10 दिन पहले भी दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई थी। इसके बाद से गांव में तनाव का माहौल था। जब प्रमोद तेहरा मोड़ के पास था, तभी सागर अपने भाई के साथ वहां पहुंचा।

गाली-गलौज के बाद चलाई गोली

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने पहले प्रमोद को गाली-गलौज की और फिर तमंचा निकालकर फायर कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि करीब दो राउंड फायरिंग हुई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर क्राइम रितेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए।

पूर्व प्रधान हिरासत में

पुलिस ने इस मामले में आरोपी लड़कों के पिता और पूर्व प्रधान वीनू को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। मुख्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। इसके अलावा लोगों से भी घटना के बारे में पुलिस जानकारी हासिल करने में लगी हुई है।

पहले थे दोनों दोस्त

सीओ खैर संजीव तोमर ने बताया कि पुरानी रंजिश में फायरिंग की सूचना मिली थी। प्राथमिक जांच में पता चला है कि घायल और आरोपी पहले दोस्त थे। युवक को एक गोली लगी है और उसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

बर्खास्त अधिकारी की दो कारें फ्रीज

2.52 करोड़ के वृद्धावस्था पेंशन घोटाले में कार्रवाई, 7 दिन पहले भी संपती हुई थी फ्रीज

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,बर्खास्त समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार की दो कारें पुलिस ने फ्रीज की हैं। इन दोनों कारों की कुल कीमत लगभग 15 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। यह कार्रवाई आरसी मिशन पुलिस ने लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर की है। राजेश कुमार पर वृद्धावस्था पेंशन योजना में 2 करोड़ 52 लाख रुपये के गबन का आरोप है। इससे पहले, पुलिस ने बर्खास्त अधिकारी की 2 करोड़ 53 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज की थी। प्रशासन ने घोटाले के माध्यम से अर्जित की गई चार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को फ्रीज करने के निर्देश दिए थे। वर्ष 2022 में, तत्कालीन समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार ने अपनी तैनाती के दौरान ऑपरेटरों के साथ मिलकर एक गिरोह बनाया था। इस गिरोह ने अपने करीबियों के बैंक खातों का उपयोग करके वृद्धावस्था पेंशन के लगभग 2 करोड़ 52 लाख रुपये का गबन किया था। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी अधिकारी सहित नौ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके बाद अधिकारी को बर्खास्त कर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। सात दिन पहले, आरसी मिशन पुलिस ने लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर आरोपी की एक कार और एक गेस्ट हाउस को फ्रीज किया था, जिनकी कीमत करीब 2 करोड़ 53 लाख रुपये थी। पुलिस ने लखनऊ में बर्खास्त अधिकारी के अन्य वाहनों की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद लखनऊ पुलिस के सहयोग से दोनों वाहनों को फ्रीज किया गया। इनमें से एक कार की कीमत 9 लाख 20 हजार रुपये और दूसरी की 6 लाख 30 हजार रुपये है। थाना आरसी मिशन प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी की अन्य संपत्तियों की पहचान की जा रही है। दो वाहन फ्रीज किए जा चुके हैं

डैम में डूबे व्यापारी के बेटे की मौत

दोस्तों के साथ रील बनाते समय हुआ हादसा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , चिलबिला क्षेत्र में डूबे 24 वर्षीय युवक का शव दोपहर रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बरामद कर लिया गया। शव डूबने वाली जगह से करीब 3 किमी दूर औवार पुल के पास मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अनिकेत की तलाश के लिए ठऊफऋ, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की टीम शनिवार शाम से सर्च ऑपरेशन चला रही थी। नदी के अलग-अलग हिस्सों में अभियान चलाया गया। दोपहर टीम को सफलता मिली और किशोर का शव बरामद हो सका। परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल जानें कैसे डूबा था अनिकेत ? चिलबिला के रहने वाले शीतला प्रसाद वैश्य का 24 वर्षीय बेटा अनिकेत शनिवार करीब 4 बजे अपने चार दोस्तों के साथ बकुलाही नदी के डैम पर गया था। सभी युवक डैम की दीवार से गिरते पानी में नहाते हुए रील बना रहे थे। इसी दौरान अनिकेत और उसका दोस्त अभिषेक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। उसके दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की। तेज बहाव और अधिक गहराई के कारण वह डूब गया। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। देर शाम तक गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन अनिकेत का कोई पता नहीं चला। इसके बाद प्रयागराज से एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। देर रात तक नदी में सर्च ऑपरेशन जारी रहा।

विदेश नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी

आरोपी गुलाम मुस्तफा के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़,विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। कंधई थाना क्षेत्र के मुतौली ताला गांव निवासी मुर्कीजुर्रहमान ने कोतवाली पुलिस में तहरीर देकर कुंडा के रजनपुर निवासी गुलाम मुस्तफा पर यह आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित मुर्कीजुर्रहमान ने बताया कि वह रोजगार के सिलसिले में अपने एक दोस्त के साथ बाहर रहता था, जहां उसकी मुलाकात गुलाम मुस्तफा से हुई। मुस्तफा ने खुद को सरयू नगर स्थित ₹रजा टूर ट्रैवेल्स₹ का संचालक बताया और उसे यूरोप के लक्जमबर्ग में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने पीड़ित को 2 लाख रुपये के बदले लक्जमबर्ग में 2600 यूरो (लगभग ढाई लाख रुपये) मासिक वेतन की नौकरी का वादा किया, जिसमें रहने और खाने की सुविधा भी मुफ्त बताई गई। इस झांसे में आकर मुर्कीजुर्रहमान ने अपने दोस्तों से उधार लेकर 10 सितंबर 2025 से 11 फरवरी 2026 के बीच कुल 2 लाख 5 हजार रुपये ऑनलाइन माध्यम से आरोपी को हस्तांतरित कर दिए। इस दौरान उसके चार अन्य रिश्तेदार भी आरोपी के संपर्क में आए और उन्होंने भी पैसे दिए।20 फरवरी को आरोपी ने पीड़ित और उसके रिश्तेदारों को लखनऊ से दुबई और फिर जर्मनी के म्यूनिख तक के हवाई टिकट दिए। हालांकि, बाद में जांच करने पर ये टिकट फर्जी पाए गए।

संक्षेप

सिपाही का धर्म परिवर्तन कराने वाली महिला गिरफ्तार

बागपत में दर्ज हुआ मामला, पति आलम की तलाश जारी

बागपत , खेकड़ा कोतवाली में तैनात सिपाही श्रीकांत ने दिल्ली की महिला हिना और उसके पति आलम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। सिपाही ने आरोप लगाया है कि उसे दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर धर्म परिवर्तन कराया गया और 20 लाख रुपये भी हड़प लिए गए। पुलिस ने आरोपी महिला हिना को गिरफ्तार कर लिया है और उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। बुलंदशहर निवासी सिपाही श्रीकांत वर्ष 2022 में गाजियाबाद कोतवाली में तैनात थे। कुछ समय पहले उनका गाजियाबाद से बागपत तबादला हुआ था, जिसके बाद उन्हें खेकड़ा कोतवाली भेजा गया। गाजियाबाद में तैनाती के दौरान ही सिपाही की मुलाकात दिल्ली की रहने वाली महिला हिना से हुई थी। सिपाही का आरोप है कि हिना ने उसे दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर 20 लाख रुपये हड़प लिए। इसके बाद भी महिला ने सिपाही के खिलाफ गाजियाबाद कोतवाली में शिकायत कर उसे जेल भिजवाने की धमकी दी। इसी डर के कारण सिपाही पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया गया, जिसके बाद उसने अपना धर्म बदल लिया और उसका नाम हारिश रख दिया गया। करीब चार साल तक सिपाही धर्म बदलकर रहा। आरोप है कि हिना का पति आलम उसे जबरन कई बार जमात पर भी ले गया। जब भी सिपाही अपने मूल धर्म में लौटने की बात करता, तो उसे दोबारा जेल भिजवाने की धमकी दी जाती थी। बागपत तबादला होने के बाद महिला से परेशान होकर सिपाही श्रीकांत ने शुक्रवार रात को हिना और उसके पति आलम के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन कराने और रुपये हड़पने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई। सीओ रोहन चौरसिया ने बताया कि सिपाही श्रीकांत की शिकायत पर महिला हिना को गिरफ्तार कर लिया गया है। हिना के पति आलम की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं और उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भाकयू (अखंड) का बागपत में संगठन विस्तार

डॉ. इरफान अली जिमाना के ग्राम अध्यक्ष नियुक्त, 15 नए सदस्य जुड़े

बागपत ,भारतीय किसान यूनियन (अखंड) ने अपने संगठन का विस्तार किया। इस दौरान डॉ. इरफान अली को ग्राम जिमाना का ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से गौरीपुर मोड़ पर एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता शामिल हुए। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी महेश कसाना के मार्गदर्शन और जिला अध्यक्ष धीरेंद्र कसाना के आदेशानुसार संपन्न हुआ। जिला संगठन मंत्री दिलशाद खान की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला सचिव इस्लाम अल्वी, अयूब ठेकेदार, कमल खान, वाजिद खान, राहु खान और जीशान खान सहित कई युवा और वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन विस्तार के तहत डॉ. इरफान अली को ग्राम जिमाना का अध्यक्ष नाया गया। उनके साथ ही 15 नए सदस्यों ने भी भारतीय किसान यूनियन (अखंड) की सदस्यता ग्रहण की और समाज सेवा का संकल्प लिया। पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी समय में एक और बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें संगठन के विस्तार के साथ-साथ किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा होगी।

शहर में घूमे फायर बिग्रेड कर्मी, भरोसा जगाया

रैली निकाल दिया संदेश, आग से बचाव को जागरुक किया, शहीदों को याद किया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के मौके पर प्रयागराज में फायर सर्विस कर्मचारियों ने शहर में जागरूकता अभियान चलाया। शहर की सड़कों पर सायरन बजाती दमकलें गुजरीं तो हर कोई देखने लगा। सुरक्षा का भरोसा दिलाने को रैली निकालने के साथ साथ फायर सर्विस कर्मचारियों ने मुंबई में शहीद हुए 66 बहादुर अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें याद किया। फायर बिगेड कर्मचारियों ने इस मौके पर रैली निकाल संदेश दिया। शहरियों में सुरक्षा का भरोसा जगाया। फायर सर्विस की अत्याधुनिक गाड़ियों का प्रदर्शन किया गया। आग से बवाच के लिए पंपलेट बांटे गए। चौराहों पर गाड़ियां रोक बताया गया कि फायर सर्विस 24 घंटे सेवा के लिए मौजूद है। उनके निदेर्शों का पालन हर हाल में किया जाए। सिविल लाइंस के अलावा पुराने शहर की सड़कों पर रैली निकाली गई। फायर सर्विस के कर्मचारियों ने विभाग के शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धालंजि दी।

जानिये यह दिन खास क्यों

हर साल 14 अप्रैल को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस या शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन 1944 में मुंबई में भीषण विस्फोट में शहीद हुए 66 बहादुर अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है।

शहीद सम्मान : ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निशामकों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है।

जागरूकता अभियानः स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर आग से सुरक्षा, इसके बचाव और मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को शिक्षित किया जाता है।

प्रदर्शन : फायर ब्रिगेड के अधिकारी आधुनिक उपकरणों और आग बुझाने की तकनीकों का प्रदर्शन करते हैं।

युवक की पिटाई पर ग्रामीणों ने आधी रात थाना घेरा

जयंती के पोस्टर फाड़ने व फायरिंग का लगाया आरोप, समझाने पर माने

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , नवाबगंज में सोमवार रात एक युवक की पिटाई के बाद तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने आधी रात थाना घेर लिया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया। पुलिस के आश्वासन के बाद लोग शांत होकर लौटे।रात 8:30 बजे की घटनामामला नवाबगंज के बरीबोझ गांव का है। गांव निवासी दयाशंकर गौतम के अनुसार, सोमवार रात करीब 8:30 बजे वह गांव स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में पोस्टर लगा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही कुछ लोग वहां पहुंचे और पोस्टर-बैनर फाड़ने लगे।

विरोध करने पर जातिसूचक गालियां दी

पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने जातिसूचक गालियां दीं और उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, फायरिंग भी की जिसमें युवक के सिर पर गंभीर चोट आई। 4 अज्ञात लोग भी थे हमलावरों के साथहमलावरों के साथ चार अज्ञात लोग भी थे, जिन्होंने जयंती मनाने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और आक्रोशित होकर नवाबगंज थाने पहुंच गए। लोगों ने थाना परिसर का घेराव कर दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। देर रात तक पुलिस ग्रामीणों को समझाने में जुटी रही। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए और अपने घर लौटे। पुलिस का कहना हैमामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक फायरिंग की पुष्टि नहीं हो पाई है। पोस्टर फाड़ने जैसी बात भी सामने नहीं आई है। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि प्रारंभिक सूचना मारपीट की मिली थी। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया।

धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की 135 वीं जयंती

अमन लेखनी समाचार/समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। भारत रत्न से सुशोभित बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विकासखंड कस्बा मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम कुलखेड़ा रामपुर कुर्मी बुढंदा धमना खुर्द मरवाही डेरा रिठवां बेहटा खदरा समेत कई अन्य गावों में भाजपा के क्षेत्रीय पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए नमन किया तथा जागरूकता संगोष्ठी में उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विस्तृत चर्चा करते हुए पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी रज्जन लाल त्रिवेदी डॉ राम भक्त वर्मा अजय पटेल मंडल अध्यक्ष देवेंद्र अवस्थी अनिल ओमर सुरेश तिवारी शिवा गुप्ता रजुत प्रताप सिंह नीलम देवी धीरज कुमार अंकित प्रजापति रविंद्र राजेश कुमार यूनुस खान ज्ञानू अरुण शुक्ला धीरेंद्र कुमार बहादुर सीताराम प्रजापति राजेश सोनकर राजेश वर्मा प्रेमचंद सचान शिव शंकर निषाद रामचंद्र समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए नमन किया।

महिलाओं ने पढ़ा हनुमान चालीसा

सेंट्रल मार्केट के बाहर धरने पर बैठीं, कहा- हनुमान जी आवास विकास की बुद्धि सही करें

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सेंट्रल मार्केट में सुप्रीम कोर्ट के सीलिंग अभियान और 859 आवासीय भूखंडों में सेटबैक छोड़ने के आदेश के खिलाफ चौथे दिन भी विरोध जारी रहा। व्यापारी और स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में मार्केट में टेंट लगाकर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक आदेश में संशोधन नहीं होता, वे यहीं डटे रहेंगे। व्यापारियों ने परिवार सहित हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया है। महिलाओं का कहना है कि संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरे हनुमत बलवीरा। सरकार और आवास विकास से हमारी सुनवाई नहीं हो रही तो अब बजरंग बली ही हमारी सुरक्षा करें। आवास विकास की बुद्धि सही करें।

मेन खरीदारी के दिन भी बाजार ठप

रविवार को मार्केट का मुख्य दिन होता है। ऐसे में आज सेंट्रल मार्केट की आधा से ज्यादा दुकानें बंद हैं। जो कुछ दुकानें खुली भी हैं उन पर ग्राहक नहीं हैं। व्यापारी वहीं जगह-जगह धरने पर बैठ गए हैं। व्यापारियों के परिवारों ने वहां पलायन के पोस्टर लगाए हैं और सरकार से रहम की गुहार कर रहे हैं। 32त्ठ तापमान में बच्चों का विरोध सेंट्रल मार्केट में 32 डिग्री तापमान में छोटे बच्चे भी हाथों में पलायन के पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पोस्टर पर लिखा है कि प्रधानमंत्री हमारी गुहार सुनें और हमारे बाजार को, हमारी दुकानें, हमारे स्कूल को बचा लें। हमें हमारा पुराना सेंट्रल मार्केट वापस कर दें पैदल मार्च करेंगे सचिन सिरोहीहिंदूवादी नेता सचिन सिरोही भी बाजार में पहुंचे हैं। उन्होंने व्यापारियों के हक में बोलते हुए कहा कि व्यापारियों को उनकी दुकानें वापस मिलें इसके लिए दिल्ली तक पैदल यात्रा करेंगे।

राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी बोले- व्यापारियों में आपसी बंटवारा है, इसलिए वहां नहीं गया

राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा- अभी भी समाधान की आशा की किरण दिख रही हैराज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा- अभी भी समाधान की आशा की किरण दिख रही है।

किसान के घर से लाखों के जेवरात चोरों ने किया पार

देर शाम तक परिजनों द्वारा नहीं की गई किसी प्रकार की लिखित शिकायत

अमन लेखनी समाचार/शोभित शुक्ला

फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसैनाबाद गांव निवासी सेवा निवृत शिक्षक रामचरण पाल तथा पत्नी संपाता पुत्र सौरभ उर्फ पिंटू पुत्रवधू दिव्यांशी घर में सो रहे थे सुबह अचानक अलमारी खुली देखकर घर में अफरा तफरी मच गई अलमारी में रखे घर के जेवरातों के साथ शादीशुदा पुत्री के जेवरात भी गायब हो गए लाखों के जेवरात के चोरी होने की चर्चा फैलते ही पड़ोसियों एवं ग्रामीणों में हड़कंप मच गया सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घटनास्थल की गहन जांच पड़ताल की थाना इंचार्ज विनोद पटेल ने देर शाम जानकारी देते हुए बताया कि घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है अभी तक लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

मामा ने 4 साल की भांजी को गला घोंटकर मारा

गाजियाबाद में पिता बोले- पहले रेप किया और फिर हत्या; पॉक्सो में रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , एक युवक ने अपनी 4 साल की भांजी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने बच्ची के शव को सड़क पर फेंक दिया ताकि गाड़ियां रौंद दें। परिजनों के अनुसार, आरोपी मामा बच्ची को अपने साथ बाहर लेकर गया था। शाम को जब परिवार ने बच्ची के बारे में पूछा, तो उसने बताया कि वह उसे घर के बाहर छोड़ आया था। इसके बाद परिजन बच्ची की तलाश करने लगे, लेकिन वह नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। देर रात टीला मोड़ थाने की पुलिस को बीकानेर 80 फुटा रोड पर बच्ची का शव मिला। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी मामा फिलहाल फरार है। परिजन का आरोप है कि मामा ने रेप करने के बाद गला दबाकर मार डाला। आरोपी मामा (25) मुजफ्फरनगर के सिसौली क्षेत्र का रहने वाला है। वह गाजियाबाद के टीला थानाक्षेत्र में किराए के मकान में रहकर मजदूरी का काम करता है। उसके कमरे से करीब 100 मीटर की दूरी पर उसकी बहन अपने परिवार के साथ रहती है। वह बहन के कमरे पर गया। बहनोई ने बताया- दोपहर करीब 1 बजे उनका साला घर पहुंचा। बेटी को घूमाने के बहाने अपने घर ले गया। देर शाम तक जब बच्ची घर नहीं लौटी तो वह उसके कमरे पर पहुंचे। बच्ची उसके साथ नहीं थी। बच्ची के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह उसे उनके घर के बाहर छोड़ आया था। बहन और बहनोई परेशान हो गए और बच्ची को ढूंढ़ने लगे। लेकिन वह नहीं मिली। देर शाम तक जब बच्ची नहीं मिली तो परिजन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने आसपास के थानों में बच्ची की फोटो भेज दी।

पुलिस को देर रात बीकानेर 80 फुटा रोड पर एक बच्ची की लाश मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने गुमशुदा बच्ची की फोटो से पहचान कराई। पिता बोले- बच्ची से रेप कर उसे मारा गया

परिजन ने मामा पर रेप और हत्या का आरोप लगाया है। बच्ची के पिता ने बताया- बेटी को खिलाने के बहाने मेरा साला उसे अपने घर ले गया। वहां बच्ची के साथ रेप किया, फिर गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद बच्ची के शव को करीब 500 मीटर दूर बीकानेर 80 फुटा रोड पर ले गया और एक कार के नीचे फेंककर कमरे पर आ गया।

स्मार्ट मीटर लगाने वालों को भाजपा पार्षद ने बनाया बंधक

मेरठ में सुमित शर्मा ने कहा- अधिकारी को बुलाओ; 3 घंटे बाद टीम लौटी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 58 क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची विद्युत विभाग की टीम को पार्षद सुमित शर्मा ने बंधक बना लिया। कर्मचारियों द्वारा जब अधिकारियों से बात की गई तो पार्षद ने सीधे तौर पर कहा कि जब मैं पहले मना किया था मेरे वार्ड में मीटर नहीं लगेंगे ,तो किस आधार पर आपनेटीम भेजी। जब तक कोई जिम्मेदार व्यक्ति नहीं आता तब तक यहां से कोई नहीं जाएगा। हालांकि लगभग तीन घंटे बाद टीम बिना मीटर लगाए लौट गई।

हड़ताल खुलवाओ मीटर बाद में लगाना

पार्षद सुमित शर्मा ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से फोन पर बात करते हुए सीधे तौर पर कहा कि आपसे हफ्ते भर से चल रही विद्युत कर्मियों की हड़ताल तो समाप्त कराई नहीं जा रही है, बिजलीघरों पर स्टाफ पूरा नहीं रहे लोगों की परेशानी बढ़ रही है। इसके बावजूद भी आप स्मार्ट मीटर लगाने के लिए टीम भेज रहे हैं। मैंने इसका पहले भी विरोध किया था और अब भी कर रहा हूं अपने अधिकारी को मौके पर भेजिए उसके बाद ही टीम जाएगी।

पार्षद बोले आ रही हैं शिकायत

पार्षद सुमित शर्मा से जब इस संबंध में बात की तो उन्होंने बताया कि जिन लोगों के यहां पर मीटर लगे हैं उनकी शिकायत आ रही है कि उनका बिल 3 गुना से भी अधिक आ रहा है। इसलिए हमने मना की थी, इसके बाद भी टीम यहां पहुंची जिसे स्थानीय लोगों द्वारा विरोध किया गया। इन लोगों का प्रतिनिधि होने के आधार पर मैं भी वहां पहुंचा और मैं उनका सहयोग किया स्मार्ट मीटर की शिकायत जब तक दूर नहीं होगी तब तक मीटर नहीं लगने देंगे वार्ड नंबर 58 के सुमित शर्मा भारतीय जनता पार्टी के ही पार्षद हैं उन्होंने टीम को बंधक बनाने के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर फटकार भी लगाई। इसके साथ ही सीधे तौर पर विद्युत कर्मियों की हड़ताल से लेकर सेंट्रल मार्केट के मुद्दे तक को उठाते हुए अधिकारियों से जवाब मांगा। जिस पर अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हालांकि बाद में पार्षद सुमित शर्मा द्वारा टीम को छोड़ दिया गया और विद्युत विभाग की टीम बिना मीटर लगाए ही लौट गई।

गौर सिटी में दो गुटों में मारपीट

थार में शर्ट उतारकर ड्राइव कर रहा था युवक, पुलिस ने दो आरोपी गिरफ्तार किए

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी-2 सोसायटी के सातवें एवेन्यू मार्केट के बाहर देर रात दो गुटों के बीच विवाद और मारपीट हो गई। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।मारपीट के बाद कुछ युवक काले रंग की थार गाड़ी में सवार होकर सड़क पर हुड़दंग मचाते दिखे। उन्होंने सड़क पर गाड़ी रोककर अर्धनग्न होकर गाली-गलौज भी की। पुलिस के अनुसार, थार सवार युवक जब गाड़ी से निकल रहे थे, तभी आगे चल रही एक अन्य गाड़ी ने उन्हें साइड नहीं दी। इस बात को लेकर थार सवार युवकों ने हॉर्न बजाए, जिसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि ये युवक नशे में थे।मारपीट और सड़क पर हुड़दंग मचाते युवकों का यह पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।बिसरख पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई की।

ग्रेटर नोएडा में बदमाशों ने महिला की चेन लूटी

पति के साथ जगत फार्म मार्केट में खरीदारी करने आई थी, बाइक से भागे

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा के जगत फार्म मार्केट में एक महिला से चेन लूट की घटना सामने आई है। रात दो बाइक सवार बदमाशों ने महिला के गले से चेन झपट ली और फरार हो गए। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।जेपी अमन सोसायटी निवासी राघवेंद्र सिंह अपनी माता और पत्नी के साथ शनिवार शाम बीटा 2 थाना क्षेत्र के जगत फार्म मार्केट में खरीदारी करने आए थे।रात करीब 9:30 बजे जब वे अपनी गाड़ी की ओर लौट रहे थे, तभी अचानक एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आए। उन्होंने राघवेंद्र सिंह की पत्नी के गले से तेजी से चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। बदमाशों ने कुछ ही सेकंड में इस वारदात को अंजाम दिया।चेन छीनने के दौरान महिला के गले में हल्की चोटें भी आई हैं। परिवार ने तुरंत इस घटना की शिकायत पुलिस से की।पास में लगे सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि कैसे दो बदमाश मोटरसाइकिल पर आए और वारदात को अंजाम देकर भाग निकले। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में बीडीसी सदस्य से मारपीट

घटना सीसीटीवी में कैद, पुलिस जांच में जुटी

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर ,ग्रेटर नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र के बिसाड़ा गांव में एक क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है। बिसाड़ा गांव निवासी अशोक राणा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शाम जब वह अपनी गाड़ी से उतरकर घर में प्रवेश करने वाले थे, तभी पीछे से एक गाड़ी में सवार होकर चार लोग आए। उन्होंने अशोक राणा को गली से बाहर रोक लिया और गाली-गलौज की। इसके बाद उन लोगों ने धक्का-मुक्की करते हुए अशोक राणा के साथ मारपीट की। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावरों से अशोक राणा को बचाया गया। हमलावर मौके से फरार हो गए। अशोक राणा ने इस पूरे मामले की शिकायत बिसरख पुलिस से की है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच-पड़ताल कर रही है। सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि एक गाड़ी से उतरकर कुछ युवक आते हैं और गली में अशोक राणा के साथ हाथापाई करते हैं। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

हरदोई-गुरसहायगंज रेल लाइन को मिली संजीवनी

रेलवे की 'पिंक बुक' में दोबारा शामिल हुई बहुप्रतीक्षित परियोजना

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपदवासियों और व्यापारियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। हरदोई से गुरसहायगंज को सांडी के रास्ते जोड़ने वाली प्रस्तावित रेल लाइन एक बार फिर सुर्खियों में है।रेल बजट 2026-27 के बाद रेलवे द्वारा जारी की गई 'पिंक बुक' में इस महत्वपूर्ण परियोजना को दोबारा शामिल कर लिया गया है। इस फैसले से क्षेत्रीय विकास की ठप पड़ी उम्मीदों को एक बार फिर नए पंख लगे हैं। गौरतलब है कि इस रेल लाइन को पहली बार वर्ष 2019 में स्वीकृति मिली थी। तब 59.30 किलोमीटर लंबी इस लाइन के लिए 1302 करोड़ रुपये का बजट पिंक बुक में आवंटित किया गया था। बीते वर्षों में आवंटित धनराशि में इजाफा भी हुआ, लेकिन जमीन पर ईंट तक नहीं रखी जा सकी। अब दोबारा इसे बजट प्राथमिकता में शामिल किए जाने से स्थानीय लोगों में उत्साह है। इस रेल मार्ग के शुरू होने से हरदोई और कानपुर के बीच यात्रा करने वाले हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में यात्रियों को लंबा और घुमावदार रास्ता तय करना पड़ता है, जिससे समय और पैसा दोनों अधिक खर्च होते हैं। नई लाइन बनने से न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि आवागमन भी सुगम और सस्ता हो जाएगा। व्यापारिक दृष्टि से यह रेल लाइन हरदोई के लिए 'लाइफलाइन' साबित हो सकती है। हरदोई से सप्ताह में दो दिन (मंगलवार और रविवार) बड़ी संख्या में व्यापारी कानपुर जाकर कपड़े, जूते और सराफा बाजार से खरीदारी करते हैं। सीधी रेल कनेक्टिविटी होने से माल ढुलाई और व्यापारियों का आना-जाना बेहद आसान हो जाएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। रेलवे इस परियोजना पर प्रारंभिक होमवर्क पहले ही कर चुका है। निजी एजेंसी के माध्यम से सर्वे कराया जा चुका है और रेल मार्ग के लिए भूमि का सीमांकन भी पूरा है। यहाँ तक कि किसानों को चिह्नित रेलवे भूमि पर खेती न करने के निर्देश भी दिए गए थे। हालांकि, काम शुरू न होने से अब तक केवल निराशा ही हाथ लगी थी। इस मुद्दे पर स्थानीय सांसद जयप्रकाश रावत ने भरोसा दिलाया है कि वह इस विषय को संसद में पूरी मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने प्रयास करने की बात कही है कि इसी वित्तीय वर्ष में धरातल पर निर्माण कार्य शुरू हो सके। अब जनता की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इस बार यह ड्रीम प्रोजेक्ट वास्तव में साकार होगा या फिर एक बार फिर केवल 'पिंक बुक' के पन्नों तक ही सिमट कर रह जाएगा।

आग से दो बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

अमन लेखनी समाचार/अभिषेक सिंह

कासिमपुर। क्षेत्र के दहिनार खेड़ा माजरा संतोंखा गांव में मंगलवार को अज्ञात कारणों से लगी आग ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। आग की चपेट में आकर गांव निवासी इदरीश राजू की करीब दो बीघा पकी गेहूं की खड़ी फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई। घटना के समय खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने धुआं उठता देखा तो तत्काल शोर मचाकर अन्य लोगों को बुलाया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेज हवा के चलते तेजी से फैलने लगी। ग्रामीणों ने बाल्टी, टैंकर अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक किसान की पूरी फसल जल चुकी थी। सूचना पर स्थानीय लोग और जिम्मेदार मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, हालांकि आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या किसी की लापरवाही इसकी वजह हो सकती है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आसपास के अन्य खेत भी इसकी चपेट में आ सकते थे।

शॉर्ट सर्किट का तांडव, 'सिटी मोटर्स' गैराज में लगी भीषण आग, लाखों का माल स्वाहा

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जिला मुख्यालय के पिहानी चुंगी क्षेत्र में सोमवार की रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक नामचीन ऑटो गैराज में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि चंद मिनटों में ही इसने दो मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। लपटों के तांडव में गैराज के भीतर रखे लाखों रुपये के नए ऑटो पार्ट्स और कबाड़ जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गए।

शॉर्ट सर्किट बना बबार्दी का कारण

जानकारी के अनुसार, पिहानी चुंगी के पास नसीम अली उर्फ सोनू का 'सिटी मोटर्स' नाम से ऑटो गैराज है। सोमवार रात करीब 10:30 बजे, जब वर्कशॉप बंद थी और कर्मचारी घर जा चुके थे, तभी अचानक शॉर्ट सर्किट की वजह से ग्राउंड फ्लोर पर चिंगारी उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पहली मंजिल तक जा पहुँची, जहाँ भारी मात्रा में नए ऑटो पार्ट्स का स्टॉक रखा हुआ था।

मंजिल दर मंजिल बढ़ता गया मौत का तांडव

आग की लपटों ने जब ऊपरी मंजिल पर रखे कबाड़ को अपनी जद में लिया, तो आसमान में काला धुआं और आग का गोला नजर आने लगा। पड़ोसियों ने जब गैराज से आग की लपटें उठती देखीं, तो उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में गैराज मालिक और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी गई। लेकिन जब तक मदद पहुँचती, आग बेकाबू होकर तबाही मचा चुकी थी। हालात की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने मोर्चा संभाला और आसपास के फायर स्टेशनों से कुल चार गाड़ियां मौके पर बुलाईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी की निगरानी में दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। गनीमत रही कि इस भीषण हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आर्थिक रूप से गैराज मालिक को बड़ी चपत लगी है।गैराज मालिक नसीम अली के अनुसार, आग ने सब कुछ तबाह कर दिया है। नए स्पेयर पार्ट्स से लेकर कीमती औजार और मशीनें तक जल गई हैं। शुरूआती आकलन के अनुसार नुकसान लाखों में बताया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन की टीम अब नुकसान का सटीक आकलन करने और आग के कारणों की विस्तृत जांच में जुट गई है।

मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने होमगार्ड भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होमगार्ड्स एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान मंडलायुक्त अनिल ढींगरा, डीआईजी रेंज एस. चन्नप्पा, जिलाधिकारी दीपक मीणा, एसएसपी डॉ. कौस्तुभ, परीक्षा नोडल अधिकारी अंजनी कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बताया गया कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को होमगार्ड भर्ती की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रत्येक दिन दो सत्रों में होगी। प्रथम सत्र सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 03:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित होगा। जनपद में कुल 24 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां प्रत्येक पाली में 10,848 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इस प्रकार कुल 6 पालियों में 65,088 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

टड़ियावां में लकड़ी माफिया बेखौफ, रातों-रात 5 हरे आम के पेड़ों पर चला आरा

अमन लेखनी समाचार

टड़ियावां, हरदोई। एक तरफ सरकार पर्यावरण बचाने के लिए 'वृक्षारोपण' जैसे अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर टड़ियावां थाना क्षेत्र में लकड़ी माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें कानून का जरा भी खौफ नहीं है। ताजा मामला ग्राम तेलियानी का है, जहाँ सोमवार की देर रात माफियाओं ने प्रतिबंधित देशी आम के 05 फलदार और हरे-भरे पेड़ों को काटकर जमींदोज कर दिया। ग्रामीणों के बीच इस अवैध कटान को लेकर गहरा आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं है; बीते एक सप्ताह के भीतर थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में प्रतिबंधित आम और गूलर के पेड़ों का जमकर कत्लेआम हुआ है। सवाल यह उठता है कि वन विभाग की 'कथित' सख्ती और गश्त के दावों के बीच माफिया रात के अंधेरे में इतनी बड़ी वारदात को अंजाम कैसे दे रहे हैं लगातार हो रही इन घटनाओं ने वन विभाग की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। क्षेत्र में चर्चा है कि आखिर किसके संरक्षण में ये लकड़ी माफिया फल-फूल रहे हैं क्या विभाग की चुप्पी और सुस्त कार्रवाई ही इन माफियाओं का सबसे बड़ा सहारा है जब इस संबंध में वन दरोगा अभय पटेल से बात की गई, तो उन्होंने पारंपरिक जवाब देते हुए कहाः्रमामला हमारे संज्ञान में आया है। विभागीय टीम को मौके पर भेजकर जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।्र अब देखना यह है कि यह 'सख्त कार्रवाई' केवल कागजों तक सीमित रहती है या वास्तव में माफियाओं को सलाखों के पीछे भेजा जाता है। यदि समय रहते इन 'पर्यावरण के दुश्मनों' पर लगाम नहीं कसी गई, तो क्षेत्र के हरे-भरे बाग केवल किस्से-कहानियों में ही सिमट कर रह जाएंगे।

उपेक्षा के भंवर में 'धोबिया आश्रम'-जहाँ पांडवों के पुरोहित ने की थी तपस्या, आज वहां सुबक रही है आस्था

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जिला मुख्यालय से महज 35 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच स्थित 'तपोवन धोबिया आश्रम' अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। द्वापर युग में पांडवों के कुल गुरु धौम्य ऋषि की साधना का साक्षी रहा यह पावन स्थल आज असामाजिक तत्वों की शरणस्थली और प्रशासनिक बेरुखी का शिकार बनकर रह गया है। 84 हजार ऋषियों की इस तपोस्थली का गौरवशाली इतिहास अब खंडहरों में तब्दील होने की कगार पर है। इस आश्रम की महिमा का केंद्र यहाँ स्थापित वह प्राचीन शिवलिंग है, जिसके शीर्ष से रहस्यमयी जलधारा चौबीसों घंटे, बारहों महीने अनवरत बहती है। प्राकृतिक रूप से निकलने वाला यह जल बिना किसी पंप या स्रोत के सदियों से बहकर गोमती नदी में समाहित हो रहा है। लोकमान्यता है कि जैसे धोबी वस्त्रों का मैल साफ करता है, वैसे ही यहाँ के सिद्ध महात्मा भक्तों के 'पापों का मैल' धो देते थे, जिसके कारण इसका नाम 'धोबिया आश्रम' पड़ा। कागजों पर सरकार ने इसे पर्यटन स्थल घोषित कर वाहवाही तो बटोर ली, लेकिन धरातल पर मंजर खौफनाक है। आश्रम की शोभा बढ़ाने के लिए लगाई गई हिरण, जिराफ और जेब्रा की कलाकृतियों को अराजक तत्वों ने तोड़ डाला है। स्थानीय दुकानदार राज और धीरज अरवंशी का कहना है कि, ्रगार्ड हटने के बाद से यहाँ अराजकता बढ़ गई है। बाहर से आने वाले लोग तोड़फोड़ करते हैं और विरोध करने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।्र एक ओर हम डिजिटल क्रांति का जश्न मना रहे हैं, वहीं इस पवित्र स्थल पर मोबाइल नेटवर्क तक नहीं पहुंचता। सबसे हृदयविदारक स्थिति महिला श्रद्धालुओं की है। हैरानी की बात है कि इतने बड़े आस्था केंद्र पर महिलाओं के लिए एक 'चेंजिंग रूम' तक नहीं है। दूर-दराज से आने वाली माँ-बहनों को खुले में वस्त्र बदलने पड़ते हैं, जो शासन-प्रशासन के दावों पर करारा तमाचा है। स्थानीय ग्रामीणों और भक्तों ने प्रशासन के सामने मांग रखी है कि असामाजिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए परिसर में स्थायी सुरक्षा बल तैनात हो, महिलाओं के लिए तत्काल शौचालय और स्नानागार का निर्माण हो और पवित्र जल स्रोत के चारों ओर ऊंची दीवार बनाई जाए ताकि लोग उसमें पैर न डाल सकें। धोबिया आश्रम हमारी सांस्कृतिक विरासत की अनमोल धरोहर है। यदि प्रशासन अपनी गहरी नींद से नहीं जागा, तो धौम्य ऋषि की यह तपोस्थली केवल इतिहास की किताबों और खंडहरों के मलबे में दफन होकर रह जाएगी। सवाल यह है कि क्या विकास की बयार हरदोई के इस 'तपोवन' तक कभी पहुंचेगी

हरदोई में मनाया गया अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस

जागरूकता रैली के जरिए शहरवासियों को सिखाए सुरक्षा के गुर

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जिला मुख्यालय के सीतापुर रोड स्थित जिला अग्निशमन कार्यालय में मंगलवार को 'अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस' का आयोजन बेहद गरिमामयी ढंग से किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी महेश प्रताप सिंह ने उन जांबाज दमकल कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दे दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने ऐतिहासिक संदर्भ साझा करते हुए बताया कि यह दिवस हर साल 14 अप्रैल को 1944 में मुंबई बंदरगाह पर हुए भीषण विस्फोट में शहीद हुए 66 दमकल कर्मियों के सर्वोच्च बलिदान की याद में मनाया जाता है। श्रद्धांजलि सभा के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इसके पश्चात, आम जनमानस को अग्नि सुरक्षा के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से एक भव्य जन-जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर इस रैली को रवाना किया। यह रैली शहर के प्रमुख व्यस्त इलाकों जैसे जिंदपीर चौराहा, हरदोई रेलवे स्टेशन, लखनऊ चुंगी, सिनेमा चौराहा, अटल चौराहा, रोडवेज बस स्टेशन और डीएम चौराहा से होते हुए वापस जिला अग्निशमन कार्यालय पहुंची रैली के मार्ग में दमकल कर्मियों ने सक्रियता दिखाते हुए आम नागरिकों को आग से बचाव के व्यावहारिक तरीके बताए और पंपलेट वितरित कर जागरूक किया। लोगों को समझाया गया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय किन सावधानियों को बरतकर जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में जनपद के नागरिकों को फ्लैग पिन भी लगाए गए। इस पूरे आयोजन में अग्निशमन अधिकारी शिवराम सिंह यादव सहित विभाग के तमाम कर्मचारी और अधिकारी मुस्तैद रहे, जिनका उद्देश्य केवल याद करना ही नहीं बल्कि भविष्य के लिए सुरक्षित समाज का निर्माण करना था।

कचीर गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। बामौर ब्लॉक के ग्राम कचीर में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन श्री बजरंग बाबा मंदिर प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आयोजक समिति द्वारा फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इसके पश्चात सभी अतिथियों ने डॉ. अंबेडकर एवं भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर केक काटते हुए जयंती मनाई। वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उन्हें दलितों का मसीहा बताया। उन्होंने कहा कि उनका संदेश ह्यशिक्षित बनो, संघर्ष करो और संगठित रहोह्व आज भी प्रासंगिक है। वक्ताओं ने अभिभावकों से बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में अतिथियों में आजाद समाज पार्टी के जिला संयोजक राहुल बाबा, बीरेंद्र सिंह यादव (बीरू नाटा), मूलचंद दरोगा, पुष्पेंद्र यादव, सत्येंद्र यादव, धन्नू, टिंकू राजा, रोहित गौतम, दीपक गौतम, अनिल चौधरी, धर्मेंद्र एवं सुरेंद्र भास्कर मौजूद रहे। वही इस दौरान कुंवरलाल, ईश्वरदास फौजी, रक्कसी मास्टर, हेमंत यादव (क्षेत्र पंचायत सदस्य), जसपाल शर्मा, रामकुमार यादव, विनोद परिहार सहित आयोजक समिति के सदस्य तुलाराम श्रीवास, ब्रजेश चौधरी, राजेश, तेज सिंह, सुमत, मनीष, विनोद अहिरवार, देवीशरण, कुलदीप, देवकरण, सोनू अहिरवार, एवं प्रिंस चौधरी, मौजूद रहे।

अम्बेडकर जयंती पर हरदोई में सियासी हुंकार, केंद्रीय मंत्री ने पासी समाज को दिया एकजुटता का मंत्र

भाजपा विधायक के विवादित बोल- 'मोदी-योगी ही आज के भगवान, पत्थरों के आगे गिड़गिड़ाने से कुछ नहीं मिलेगा'

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर जनपद के गांधी मैदान में आयोजित 'एकीकृत पासी समाज' के सम्मेलन में सियासत और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने जहाँ समाज को राजनैतिक ताकत का अहसास कराया, वहीं गोपामऊ विधायक श्याम प्रकाश के विवादित बयान ने नई बहस छेड़ दी। केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान ने पासी समाज की उपेक्षा पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि अवध से पूर्वांचल तक इस समाज का गढ़ है, फिर भी शासन-प्रशासन के शीर्ष पदों पर उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा, ्रजब तक आप संगठित होकर सरकार को अपने वोट की ताकत नहीं दिखाएंगे, तब तक समाज का युवा जिले का कप्तान या डीएम नहीं बनेगा।्र उन्होंने अखिलेश यादव के 'ट्रिपल इंजन' सरकार के दावे को 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' करार देते हुए 2027 में फिर भाजपा सरकार बनने का दावा किया। समारोह के दौरान भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने मंच से विवादित बयान देते हुए कहा कि पत्थरों के आगे गिड़गिड़ाने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी को 'आज का भगवान' बताते हुए जनता से जीवित नेतृत्व पर भरोसा करने की अपील की। बयान पर बवाल बढ़ते देख विधायक ने सफाई दी कि उनका आशय कुलदेवताओं के नाम पर फैले अंधविश्वास को खत्म करना था, न कि किसी की आस्था को ठेस पहुँचाना।

धूमधाम से निकली बाबा साहब की शोभायात्रा

दूसरी ओर, अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति द्वारा आयोजित पारंपरिक रैली को पिहानी ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई ने झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी, जहाँ जगह-जगह पुष्प वर्षा और जलपान से स्वागत किया गया। डीजे पर बाबा साहब के गीतों के बीच युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। इस दौरान अशोक कुमार गौतम, सोनू भारती, बीडीओ अरुण कुमार और भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बामौर रेंज का निरीक्षण, विभिन्न कार्यों की समीक्षा

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। 14 अप्रैल 2026 को मुख्य वन संरक्षक, बुंदेलखंड जोन, झांसी एच.वी. गिरिश द्वारा बामौर रेंज (गरौठा) का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ प्रभागीय वनाधिकारी, झांसी एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी, मऊरानीपुर भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रेंज क्षेत्र में संचालित मृदा एवं जल संरक्षण कार्यों का विस्तृत जायजा लिया। साथ ही अग्नि सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। वृक्षारोपण कार्यक्रमों की प्रगति, पौधों की स्थिति एवं संरक्षण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। नर्सरियों में तैयार किए जा रहे पौधों की गुणवत्ता एवं रख-रखाव की स्थिति का अवलोकन करते हुए सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य वन संरक्षक ने कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी योजनाओं को पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि मृदा एवं जल संरक्षण तथा वृक्षारोपण जैसे कार्य पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, अतः इनमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान बामौर रेंज (गरौठा) के क्षेत्रीय वनाधिकारी ए.पी. सिंह बुंदेला सहित समस्त वन विभागीय स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों द्वारा मौके पर मौजूद कर्मचारियों से संवाद कर कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली गई।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

भेदभाव त्यागकर अपनाएं समानता का मार्ग, बाबा साहब का जीवन संकल्पों की पराकाष्ठा : जिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

हरदोई।कलेक्ट्रेट में धूमधाम से मनाई गई डॉ. अम्बेडकर की 135वीं जयंती, डीएम अनुनय झा ने अधिकारियों को दिलाई सामाजिक न्याय की शपथ

हरदोई। संविधान शिल्पी 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित स्वामी विवेकानन्द सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट और विकास भवन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर बाबा साहब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, अगाध ज्ञान और अटूट संकल्प का एक अद्वितीय उदाहरण है। उनके विचार हमें एक ऐसे समावेशी समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं, जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्राप्त हों। डीएम ने जोर देते हुए कहा, ्रहमें जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव को पूरी तरह भुलाकर सभी के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। उनके सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ्रकार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रियंका सिंह, एडीएम (न्यायिक) प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी और जिला विकास अधिकारी ने भी विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन दर्शन और सामाजिक सशक्तिकरण के उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट और विकास भवन के समस्त अनुभागों के कर्मचारी व जनपद के गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने इस मौके पर सामाजिक न्याय और समानता के मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहने की प्रतिबद्धता दोहराई।

हत्या प्रकरण में घोरावल पुलिस की बड़ी कार्रवाई 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक घोरावल के कुशल नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। इसी क्रम में दिनांक 13.04.2026 को थाना घोरावल पुलिस टीम द्वारा बर्दिया पोखरा के पास, ग्राम बर्दिया क्षेत्र से थाना घोरावल पर पंजीकृत मु0अ0सं0 73/26 धारा 103(1) बीएनएस व 3(2)श एससी/एसटी एक्ट से संबंधित 02 वांछित अभियुक्तों को समय करीब 04:55 बजे गिरफ्तार किया गया।

मल्लावां में एकतरफा प्यार का खूनी अंत, सिरफिरे आशिक ने फावड़े से गला काटकर युवती को उतारा मौत के घाट

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गढ़ी रसूलपुर में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ एकतरफा प्यार में पागल एक युवक ने घर के बाहर खड़ी 26 वर्षीय युवती को घसीटकर ले जाकर फावड़े से गर्दन काटकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। इस जघन्य हत्याकांड के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया है।सालों से परेशान कर रहा था आरोपी मृतका की पहचान शिल्पी कुशवाहा के रूप में हुई है। मृतका के पिता राम रहीश कुशवाहा ने बताया कि गांव का ही रहने वाला आरोपी ऋषभ द्विवेदी उनकी बेटी को कई सालों से 'एकतरफा प्यार' के नाम पर प्रताड़ित कर रहा था। इसी वजह से साल 2017 में शिल्पी की शादी नयागांव निवासी गोविंद से कर दी गई थी, लेकिन शादी के बाद भी आरोपी ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। आरोपी ऋषभ का आपराधिक इतिहास पुराना है। पीड़ित परिवार ने जुलाई 2017 में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके बाद वह जेल भी गया। जेल से छूटने के बाद भी उसकी हरकतें जारी रहीं। नवंबर 2025 में उसके खिलाफ छेड़खानी समेत कई धाराओं में एक और मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने उस पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई भी की थी, लेकिन पुलिस का खौफ आरोपी के सिर चढ़े खून को कम न कर सका।सोमवार शाम को शिल्पी जैसे ही अपने घर के दरवाजे से बाहर निकली, घात लगाए बैठे ऋषभ ने उसे दबोच लिया। आरोपी उसे घसीटते हुए पास के एक बंगले में ले गया और वहाँ रखे फावड़े से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत की नींद सुला दिया। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ऋषभ के पिता प्रमोद द्विवेदी ने दबाव बनाकर अपनी मौजूदगी में उनकी पुत्री की हत्या करवाई है।पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को जब शिल्पी का शव गांव पहुंचा, तो कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। कोतवाल शिवकांत पांडे की मौजूदगी में कड़ी सुरक्षा के बीच मेहंदीघाट पर मृतका का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने आरोपी ऋषभ और उसके पिता प्रमोद द्विवेदी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है और दोनों की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश दे रही हैं।

स्पेशल : वर्ल्ड आर्ट-डे, 15 अप्रैल

रंगों-रेखाओं से खिलता है बचपन

अगर बच्चे रेखाओं के माध्यम से कोई आकृति बनाते हैं, उसमें रंग भरते हैं, मनमोहक चित्र सृजित करते हैं या कोई सुंदर-सा क्राफ्ट वर्क करते हैं तो उन्हें रोकें-टोकें नहीं, बच्चे को प्रोत्साहित करें। यह उनकी ऐसी अभिव्यक्ति है, जिससे बच्चों की रचनात्मकता तो बढ़ती ही है, उनका व्यक्तित्व भी निखरता-खिलता है।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ बरसों में बचपन के बहुत से रंग पढ़ाई के बोझ तले दबते जा रहे हैं। जबकि एकेडेमिक फ्रंट पर अच्छा परफॉर्म करने के साथ ही, बालमन के अहसासों की अभिव्यक्ति भी बहुत जरूरी है। समझना मुश्किल नहीं कि एक्सप्रेसिव होने के लिए कोई न कोई माध्यम चाहिए। आर्ट एंड क्राफ्ट बच्चों के मनोरंजन, मनोभावों के एक्सप्रेशन का एक अच्छा माध्यम है, साथ ही यह बच्चों को वर्चुअल दुनिया से दूर करके उन्हें रचनात्मक बनाकर सकारात्मक तरीके से व्यस्त रखने का एक सुंदर तरीका है। इसीलिए उम्र के एक पड़ाव पर बच्चों का सहज रूप से कोई ना कोई कलात्मक एक्टिविटीज करना जरूरी है। पैरेंट्स को भी बच्चों को आर्ट की दुनिया से जोड़कर रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे बच्चे का व्यक्तित्व संवरता और निखरता है।

कला से अभिव्यक्त होते एहसास

रंग, रेखाएं, आकार, कोई खास स्टाइल, बालमन में बसी कोई बनावट, ये सब मात्र कागज पर रंगीन कलम-पेंसिल से की गई कलात्मकता भर नहीं हैं। असल में देखा जाए तो यह बच्चों के मन की शब्दावली है। उनके भावों की अभिव्यक्ति है। बच्चों द्वारा उकेरी गई कोई भी कलाकृति उनके दुनिया को देखने के नजरिए को दर्शाती है। जिन भावनाओं और कल्पनाओं को शब्द नहीं दिए जा सकते, आर्ट एंड क्राफ्ट के जरिए बच्चे उन्हें रचनात्मक ढंग से एक्स्प्रेस कर सकते हैं। इससे बच्चे को कुछ नया भी एक्सप्लोर करने का अवसर मिलता है। अपनी सोच के मुताबिक वे कुछ विशेष रचते हैं। बच्चे लीक से हटकर सोचने और उसे धरातल पर उतारने की सोच से जुड़ते हैं। उनके मोटर स्किल्स निखरते हैं। यही वजह है कि आर्ट के माध्यम से अभिव्यक्त होते एहसास केवल मासूमियत के रंग भर नहीं होते, ये रंग और रेखाएं बच्चों की सोच-समझ को दिशा भी देते हैं।

बच्चों की मन:स्थिति को समझें

अच्छे स्वास्थ्य और सकारात्मक व्यस्तता के लिए बहुत आवश्यक है कि बच्चे कुछ समय रंगों और रेखाओं की दुनिया में भी बिताएं। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेंटिंग-ड्राइंग बच्चों के लिए अपनी खुशी, भय, गुस्से या किसी तरह की शिकायत को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का माध्यम भी होते हैं। बच्चों की कलाकारी के मासूम रंग कई बार उनकी बिखरती मन:स्थिति से भी मिलवाते हैं। कुछ समय पहले नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स द्वारा यौन हिंसा के शिकार बच्चों का पता लगाने के लिए एक नई पहल भी यही बात कहती है। बाल आयोग के मुताबिक बच्चों के सेक्सुअल हेरेसमेंट का पता लगाने के लिए आर्ट सबसे बेहतरीन माध्यम है। ड्राइंग या पेंटिंग के जरिए न केवल बच्चे खुलकर अपनी बात कह पाते हैं बल्कि उनके दर्द को समझा भी जा सकता है। आमतौर पर शोषण के शिकार बच्चे अपनी बात कहने में डरते हैं। किसी के आगे अपना मन नहीं खोलते। यही वजह है कि आयोग द्वारा 'असेसमेंट ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल वॉयलेंस विथ द हेल्प ऑफ ड्राइंग' के लिए ड्राफ्ट रिपोर्ट भी जारी की गई। इस रिपोर्ट को एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ साइकिएट्री की मदद से बनाया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राइंग, बच्चों से बातचीत शुरू करने का सही माध्यम है। जरूरी है पैरेंट्स भी बच्चों की कलात्मकता में छिपे मनोभावों को समझें। यह उनकी सुरक्षा से जुड़ा पहलू तो है ही, उनके मन को समझने का एक प्यारा-सा जरिया भी है।

बच्चे की रुचि-रुझान को जानें-समझें

पैरेंट्स को इस क्षेत्र में अपने बच्चों के रुचि-रुझान को गंभीरता से देखने-समझने का भी प्रयास करना चाहिए। सचमुच दिलचस्पी हो तो बचपन में भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी आर्ट, आगे चलकर बच्चे को आर्ट की दुनिया में अपना भविष्य बनाने की राह बना सकते हैं। इसीलिए बच्चों के आर्ट-क्राफ्ट से जुड़े कामों की प्रशंसा अवश्य करें। स्केचिंग, पेंटिंग, स्कल्प्चर मेकिंग या वले, ये सब जब बच्चे मन से करें तो उनकी रुचि को देखते हुए इससे जुड़े सामान लाकर देकर उन्हें प्रोत्साहित करें। अपने परिवार में उनकी रुचि की चर्चा कर प्रेरणादायी परिवेश बनाएं। बचपन की रंगीन यादों को सहेजने के लिए उनके बनाए आर्ट वर्क को फ्रेम करवाकर घर में लगाएं। बच्चों के कमरे की सजावट के लिए उनके ही बनाए चित्र लगाना भी एक अच्छी पहल होगी। जरूरी यह भी है कि पैरेंट्स उनके क्रिएटिव एक्सप्रेशन की उपेक्षा करने के बजाय, इससे जुड़ी जानकारियां उनसे साझा करें। आज की वर्चुअल व्यस्तता में बच्चों को आर्ट एग्जीबिशन में ले जाने जैसी एक्टिविटी बच्चों की रुचि को समझने में हेल्प करेगी। साथ ही पार्क, चिड़ियाघर, प्राकृतिक स्थल और म्यूजियम जैसी जगहों पर भी बच्चे बहुत मन से चीजें देखते हैं। ज्यादातर बच्चे जानवरों और मौसम के रंगों को देखते हैं। इन्हें वे अपनी आर्ट में ढालने में भी रुचि लेते हैं।

तारीफ करना भी एक कला है

अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी तारीफ हमें जरूर करनी चाहिए, इसका इंसान पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन यह तभी संभव है, जब हम तारीफ सही ढंग से करेंगे। तारीफ कैसे की जाए, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

सलीका

शिखर चंद जैन

तारीफ करना वैसे तो एक सामान्य-सी आदत है, लेकिन इसका सही समय पर ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो यह सामने वाले का आत्मविश्वास बढ़ा सकती है, रिश्ते मजबूत कर सकती है। इतना ही नहीं तारीफ वर्किंग प्लेस की प्रोडक्टिविटी में भी इजाफा कर सकती है। डेल कार्नेगी से लेकर रॉबर्ट सियाल्डिनी जैसे दिग्गजों ने अपनी बेस्टसेलर किताबों में तारीफ को रिश्ते मजबूत करने का सबसे कारगर तरीका बताया है। लेकिन इसमें बनावट, व्यंग्य या चापलूसी दिखाई दे तो इसका असर उल्टा भी हो सकता है। इसलिए तारीफ करना एक कला ही नहीं, मनोविज्ञान भी है।

तारीफ का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: तारीफ इंसानी स्वभाव से जुड़ी एक बुनियादी जरूरत को पूरा करती है। यह जेनुइन रिकगनिशन यानी ईमानदार मान्यता है। इस पर पारस्परिकता का नियम यानी लॉ ऑफ रेसीप्रोसिटी भी लागू होता है। सोशल साइकोलॉजिस्ट रॉबर्ट सियाल्डिनी के अनुसार, 'जब आप किसी की तारीफ करते हैं, तो वह मनोवैज्ञानिक रूप से आपका साथ देने या आपको पसंद करने के लिए बाध्य महसूस करता है। तारीफ केवल शब्द नहीं है, सामने वाले के अस्तित्व को दी गई एक मान्यता है। हर इंसान को तारीफ की जरूरत होती है। अब्राहम मेस्लो का 'हायरार्की ऑफ नीड्स' सिद्धांत कहता है कि जब किसी को ईमानदारी से सराहा जाता है तो उसके अंदर 'सेल्फ-वैल्यू' की भावना उत्पन्न होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और प्रेरणा के लिए आवश्यक है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि अगर आप किसी की तारीफ कर रही हैं या तारीफ करना चाहती हैं तो इसके कुछ वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं को अवश्य ध्यान में रखें।

स्पेसिफिक तारीफ करें: किसी की तारीफ जनरेलाइज के बजाय स्पेसिफिक रहकर करें। 'आप अच्छा काम करते हैं' के बजाय इस तरह से कहकर तारीफ करें 'आपने रिपोर्ट में जो डेटा विजुअल्स डाले, वे वास्तव में बेहद असरदार थे।' ऐसा कहने का ज्यादा प्रभाव होगा।

प्रयासों की सराहना करें: माइंडसेट पुस्तक के लेखक कैरल ड्वेक के अनुसार, 'किसी की बुद्धि के बजाय उसके कठिन परिश्रम की तारीफ करने से वह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।'

सही मौके पर करें तारीफ: तारीफ का प्रभाव तब ज्यादा होता है, जब वह किसी कार्य या घटना के तुरंत बाद की जाती है। देरी से की गई तारीफ का प्रभाव कम हो जाता है, भले ही वह कितनी भी ईमानदारी से क्यों न की गई हो।

पीठ पीछे भी करें तारीफ: जब आप किसी की अनुपस्थिति में उसकी सराहना करती हैं, तो जब वह बात उस तक पहुंचती है, उसका मूल्य दोगुना हो जाता है। इसके लिए आपको ऐसे लोगों के बीच तारीफ करनी होगी, जो उसके संपर्क में रहते हैं।

बॉडी लैंग्वेज का रखें ध्यान: तारीफ में बॉडी लैंग्वेज काफी महत्वपूर्ण होती है। आंखों में देखना, मुस्कुराना और सौम्य स्वर में प्रशंसा करने से सामने वाले को वास्तविकता का बोध होता है। यह तारीफ को प्रभावशाली बनाता है।

पब्लिक में प्रशंसा: सबके सामने की गई तारीफ व्यक्ति के सामाजिक सम्मान को बढ़ाती है, उसे आपके प्रति वफादार बनाती है।

तारीफ करने-सुनने के फायदे

प्रोडक्टिविटी में इजाफा: गैलप के एक सर्वे के मुताबिक जिन कर्मचारियों को नियमित प्रशंसा मिलती है, वे 21 फीसदी अधिक प्रोडक्टिव होते हैं। वहीं हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अध्ययन के अनुसार सराहना पाने वाले कर्मचारियों में क्रिएटिविटी, टीमवर्क और एंप्लॉई सेटिस्फेक्शन का स्तर अधिक पाया गया।

तनाव-अवसाद में कमी: यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया की एक स्टडी में पाया गया कि प्रशंसा से एंग्जायटी और डिप्रेशन के स्तर में कमी आती है।

रिश्तों में मिलती है मजबूती: इंटरनेशनल सोशल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार तारीफ से पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भरोसा और अपनापन बढ़ता है। जॉन गॉटमैन इंस्टीट्यूट की स्टडी कहती है कि ईमानदार प्रशंसा एक मजबूत भावनात्मक बैंक बैलेंस बनाने में मदद करती है, जिससे टकराव के समय भी रिश्तों में मजबूती बनी रहती है।

डोपामाइन का संचार: जब हमारी तारीफ होती है, तो मस्तिष्क में 'डोपामाइन' नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। यह वही रिवॉर्ड सिस्टम है, जो खुशी प्रदान करती है।

बैसाखी एक ऐसा सांस्कृतिक पर्व है, जिसे पूरे देश में अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इस पर्व को नववर्ष के रूप में मनाते हैं तो कहीं फसल तैयार होने के उल्लास के रूप में। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, धार्मिक आस्था और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश भी देता है।

सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बैसाखी का पर्व

सांस्कृतिक पर्व

आर. सी. शर्मा

भारतीय समाज की संरचना जितनी मिश्रित है, उतनी ही खूबसूरत भी है। यहां धर्म, संस्कृति, भाषा और जीवनशैली की विविधताएं मिलकर एक अद्भुत ताना-बाना रचती हैं और इसी ताने-बाने को मजबूती देने में त्योहारों की इंद्रधनुषी भूमिका होती है। बैसाखी का पर्व मुख्य तौर पर सिख धर्म से जुड़ा है। 13 अप्रैल 1699 को इसी बैसाखी के दिन ही खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोविंद सिंह द्वारा की गई थी। इसलिए यह दिन सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण और आत्म-गौरव का प्रतीक पर्व माना जाता है। इसे कई अन्य प्रदेशों में भी मनाया जाता है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्व: बैसाखी के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक रूपों में नववर्ष का उल्लास देखने को मिलता है। इसी दिन पश्चिम बंगाल में पोइला बोइशाख यानी बंगाली नववर्ष भी मनाते हैं। इस दिन वहां सांस्कृतिक जुलूस, गीत, संगीत के आयोजन होते हैं। पारंपरिक नए परिधानों में सजे लोग पोइला बोइशाख धूमधाम से मनाते हैं। बंगाल में यह दिन व्यापारियों के लिए नया खाता खोलने का दिन भी माना जाता है। केरल और असम में भी क्रमशः विशु और बोहाग बिहू जैसे रंग-बिरंगे त्योहारों की छटा इसी अवसर पर बिखरती है। केरल में विशु पर्व, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक माना जाता है। बोहाग बिहू, असम का सबसे बड़ा पर्व खेती और नववर्ष दोनों का साझा उत्सव होता है, जिसमें लोकगीत और लोकनृत्यों की धूम होती है। बैसाखी के दिन जहां पंजाब, हरियाणा और समूचे उत्तर भारत में गुरुद्वारों में कीर्तन, लंगर का आयोजन होता है, वहीं तमिलनाडु में इस दिन पुथांडु यानी तमिल नववर्ष मनाया जाता है। इस तरह यह पर्व पूरे देश में विभिन्न रूपों में मनाते हैं।

असम में मनाते हैं बोहाग बिहू

सिखों के लिए विशेष महत्व: निःसंदेह त्योहारों की इस इंद्रधनुषी छटा में बैसाखी का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खालसा पंथ की स्थापना से जुड़ी ऐतिहासिक घटना, सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि भारत की सामाजिक क्रांति का प्रतीक भी है। खालसा पंथ की स्थापना ने सिख समुदाय को एक नई और विशिष्ट पहचान दी। खालसा पंथ की स्थापना ने दरअसल, सिख समुदाय को एक नई पहचान, अनुशासन और साहस का प्रदान किया जाना था। इस दिन देशभर के गुरुद्वारों में विशेष शबद, कीर्तन और प्रभात फेरियां आयोजित होती हैं। इस दिन भव्य लंगर का भी आयोजन होता है।

किसानों के उल्लास का प्रतीक: भले ही बैसाखी के पर्व को अलग-अलग रूपों में देश भर में मनाया जाता है। लेकिन कहीं न कहीं ये सारे नववर्षीय पर्व भारत की कृषि प्रधानता को भी रेखांकित करते हैं। उत्तर भारत में यह रबी की फसल की कटाई का समय होता है। किसानों के लिए केवल फसल काटने के लिए ही नहीं बल्कि मेहनत का फल मिलने का भी क्षण होता है। इस तरह बैसाखी किसानों की इस खुशी का उल्लास बन जाती है।

आपसी जुड़ाव का पर्व: पंजाब और हरियाणा में बैसाखी के अवसर पर खेतों में भांगड़ा और गिद्दा जैसे लोकनृत्य किए जाते हैं। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि ईश्वर के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी होता है। बैसाखी भारतीय समाज की विविधता में एकता का प्रतीक पर्व है।

स्किन केयर

नैंसी गुप्ता

स्किन टैनिंग से होगा बचाव अपनाएं ये सरल-कारगर उपाय

गर्मी का मौसम आते ही दिन के समय बाहर निकलने पर तेज धूप और यूवी किरणें हमारी त्वचा पर असर डालने लगती हैं। इन दिनों स्किन टैन होना एक आम समस्या बन जाती है, जिससे त्वचा का रंग अनईवन या डार्क नजर आने लगता है। इनसे बचने के लिए लोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन आप चाहें तो कुछ सरल प्राकृतिक उपायों को आजमा सकती हैं। इससे भी स्किन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

दही-बेसन का पैक: दही और बेसन का मिश्रण, त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड, टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है, जबकि बेसन स्किन को क्लीन और एक्सफोलिएट करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार लगाने से त्वचा में निखार आता है।

नीबू-शहद का पैक: नीबू में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में सहायक होती हैं। शहद, त्वचा को मॉयश्चराइज करता है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन क्लीन और ग्लोइंग बनती है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे स्किन पर लगाने के बाद धूप में जाने से बचना चाहिए।

एलोवेरा से मिले स्किन को ठंडक: एलोवेरा, गर्मियों में न सिर्फ स्किन को ठंडक देता है, बल्कि टैनिंग को कम करने में भी मदद करता है। ताजे एलोवेरा जैल को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट बाद साफ पानी से धोने से स्किन फ्रेश हो जाती है।

खीरा-गुलाब जल का टोनर: खीरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग को भी कम करता है। यही गुण गुलाब जल में होता है। खीरे के रस में गुलाब जल को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन को ताजगी मिलती है।

ठंडे दूध से मसाज: कच्चा, ठंडा दूध स्किन को क्लीन करने का बेहतरीन तरीका है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और टैनिंग को धीरे-धीरे कम करते हैं।

अच्छा क्लींजर है नारियल पानी: नारियल पानी स्किन को अंदर से साफ करने में मदद करता है। इसे चेहरे पर लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

टमाटर का रस है इफेक्टिव: टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो टैनिंग को कम करने में मदद करते हैं। आप चाहें तो टमाटर के रस को सीधे स्किन पर लगा सकती हैं। इसका रेग्युलर इस्तेमाल करने से स्किन ब्राइट होती है और सन रेज से होने वाला स्किन डैमेज कम होता है।

(स्किन केयर एक्सपर्ट निर्मल चावला से बातचीत पर आधारित)

प्रिकॉशन

चेतना झा

अगर आप बेबी प्लान कर रही हैं तो आपको अपनी और आने वाले बच्चे की हेल्थ से जुड़ी कुछ तैयारियां कर लेनी चाहिए। कौन सी हैं वो तैयारियां, जानिए।

बेबी प्लानिंग से पहले कई लेवल पर करें तैयारी

घर के आंगन में किलकारी गूंजे, यह ख्वाहिश हर शादी-शुदा जोड़े की होती है। आप भी इस मोड़ पर पहुंची हैं, जहां बाहों में नन्हे-मुन्ने को समेटने को मन मचल रहा है तो कुछ तैयारियां करने का समय आ गया है। ये तैयारियां कई स्तर की हैं। कुछ शरीर के स्तर पर तो कुछ मन के स्तर पर। कुछ करियर के मसले हैं तो कुछ पारिवारिक। इन सभी के बारे में यहां आपको बता रहे हैं।

तनाव की छुट्टी: अब जब आपने मां बनने का निर्णय लिया है तो सबसे पहले तनाव को गुड बाय कहिए। तनाव दरअसल, बर्थ कंट्रोल की गोलियों की तरह ही काम करता है। जाहिर है, मां बनना चाहती हैं, तो इसे छोड़ना होगा। इससे बचने के लिए पहचानिए क्या हैं आपके तनाव के खास कारण। यदि पैसों के मामले में जीवनसाथी से झगड़े होते हैं तो बेहतर है कि पहले काउंसलर या फाइनेंशियल प्लानर से बात कर समस्या को जड़ से दूर करें। कोलाहल भरे रास्ते से आना-जाना मजबूरी हो तो क्यों ना कोई ऐसा वैकल्पिक रास्ता ढूंढें जो भले थोड़ी अधिक दूरी का हो, पर सुकून भरा हो।

दवाओं पर दें ध्यान: बेबी प्लानिंग के साथ आप जब डॉक्टर से मिलेंगी तो वे आपको कुछ खास दवाएं लेने को कह सकती हैं। आपकी खुराक में पर्याप्त फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस होने चाहिए। फोलिक एसिड बच्चे को जन्मजात विकृतियों से बचाने में मददगार होता है। वहीं कैल्शियम सप्लीमेंट्स, आपकी हड्डियों और आपके दांतों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

न्यूट्रिशस डाइट: खाने में दूध और दूध से बने पदार्थ जैसे खोया, पनीर, छेना आदि शामिल करना चाहिए। मौसमी सब्जियां और फल जैसे गाजर, टमाटर, सेब, केला, नारंगी आपको अपनी डेली डाइट में शामिल करना जरूरी है। ये फल आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन-ए, विटामिन-सी आदि के अच्छे स्रोत होते हैं। नॉनवेज खाती हैं तो हफ्ते में एक बार मछली, चिकन आदि खा सकती हैं। अंकुरित चना, मूंग में विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है। जिन्हें मां बनने में दिक्कत आ रही है, वे महिलाएं इसका सेवन जरूर करें। थोड़ी मात्रा में सूखे मेवे भी नियमित खाएं।

रेग्युलर चेकअप: बेबी प्लानिंग से पहले और शुरुआती महीनों में आरएच टाइपिंग, ब्लड ग्रुपिंग, वीडीआरएल, एचआईवी, आस्ट्रेलियन एंटीजेन, ब्लड शुगर, टीसी, डीसी, ईएसआर, हीमोग्लोबिन, थायरॉइड हार्मोंस जैसे- टी थ्री, टी फोर और टीएसएच, सीरम एफएसएच, एलएच, प्रोलेक्टिन, यूरिन कल्चर टेस्ट आदि जरूरत के मुताबिक डॉक्टर कराते हैं। प्रेग्नेंसी प्लान से पहले पति के स्पर्म की भी जांच कराते हैं। डॉक्टर पहले ही आश्वस्त हो जाते हैं कि संभावित गर्भ में थैलिसिमिया जैसी जेनेटिक बीमारियां नहीं हो। डॉक्टर की राय के अनुसार ये टेस्ट कराने में लापवाही न बरतें। ऐसा करना आपकी और होने वाले बच्चे की हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है।

(स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी लाल से बातचीत पर आधारित)